Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...
RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक - 013/रायगढ़/2020-2022

घटती घटना

अम्बिकापुर, वर्ष 18,अंक - 247 सोमवार,11 जुलाई 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

तुम्हारा सोता हुआ मन जाग जाए इतनी योग्यता भी क्या तुममें नहीं आई।

-कुरान-

कन्हैयालाल हत्याकांड में सातवीं गिरफ्तारी

एनआईए ने रियाज अख्तरी के सहयोगी फरहाद मोहम्मद शेख को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 10 जुलाई 2022। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने उदयपुर में दर्जी कन्हैया लाल की नृशंस हत्या के मामले में फरहाद मोहम्मद शेख नाम के संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी के साथ ही नृशंस हत्या मामले में अब तक कुल सात लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। एनआईए के प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि शेख उर्फ बाबला को शनिवार शाम गिरफ्तार किया गया।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी के प्रवक्ता ने बताया कि फरहाद मोहम्मद शेख दो मुख्य आरोपियों में से एक रियाज अख्तरी का करीबी सहयोगी बताया जाता है। फरहाद मोहम्मद शेख भी दर्जी को मारने की साजिश में सक्रिय रूप से शामिल था।

मालूम हो कि कन्हैया लाल की 28 जून को सिलाई की उनकी दुकान में नृशंस हत्या कर दी गई थी। हत्याकांड के मुख्य आरोपी रियाज अख्तरी ने दर्जी पर भीषण हमले किए थे जिसको गौस मोहम्मद ने स्मार्टफोन के जरिये रिकार्ड किया था। घटना का वीडियो आनलाइन पोस्ट भी किया गय था। हत्याकांड के दोनों मुख्य आरोपियों ने वारदात को अंजाम देने के बाद एक वीडियो जारी कर कहा था कि उन्होंने इस्लाम के कथित अपमान का बदला लेने के लिए यह हत्या की है।

उदयपुर में हुई इस सनसनीखेज वारदात ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। वारदात के कुछ ही घंटों बाद दोनों मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एनआइए भी जांच में शामिल हो गई थी और बाद में छानबीन को अपने हाथ में ले लिया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एनआइए प्रमुख के साथ हुई बैठक में केंद्रीय जांच एजेंसी को निर्देश दिया था कि हत्या में शामिल कोई भी गुनहगार बचना नहीं चाहिए। बाद में हत्याकांड से जुड़े चार अन्य को भी गिरफ्तार किया गया था।

कांग्रेस प्रवक्ता की जान को खतरा,गोली मारने की पाकिस्तान से मिली धमकी

उत्तरप्रदेश, 10 जुलाई 2022। कांग्रेस की पूर्व लोकसभा प्रत्याशी और प्रदेश प्रवक्ता को पाकिस्तान से ट्वीटर पर जान से मारने की धमकी मिली है. शुक्रवार रात 10 बजे राव कासिफ तहसीन नाम की आईडी से उन्हें एके-47 से मारने की धमकी दी गई. आरोपी ने अपनी आईडी पर पाक के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की फोटो लगाई हुई है. कांग्रेस प्रवक्ता ने एसएसपी, डीएम, साइबर सेल और लिंक रोड थाने में लिखित शिकायत दी है. बता दें कि कांग्रेस की पूर्व लोकसभा प्रत्याशी और उत्तर प्रदेश प्रवक्ता डॉली शर्मा को कराची पाकिस्तान से ट्विटर पर जान से मारने की धमकी मिली है. डॉली शर्मा का कहना है कि 6 जुलाई को उनके पिता पूर्व महानगर अध्यक्ष नरेंद्र भारद्वाज के घर पर दिल्ली के एक अधिवक्ता मिलने के लिए आए थे जिसकी तस्वीर उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की थी. इसी तस्वीर पर राव तहसीन काशिफ आईडी से कांग्रेस नेत्री को अभद्र बातें बोलकर एके-47 से मारने की धमकी दी गई. हालांकि यह धमकी किस वजह से दी गई है अभी इसके बारे में कुछ स्पष्ट नहीं हो पाया है. कांग्रेस नेत्री ने बताया कि उन्होंने पाकिस्तान या विशेष धर्म के प्रति कोई टिप्पणी भी नहीं की थी, इसके बावजूद धमकी मिलना अकारण है. डॉली शर्उमा ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जिलाधिकारी और लिंक रोड थाना पुलिस व साइबर सेल प्रभारी को लिखित शिकायत भेजकर अपनी और परिवार वह इलाके की सुरक्षा की मांग की है. डोली शर्मा का कहना है कि ट्विटर पर और लिखित शिकायत देने के बाद भी अभी तक उन्हें प्रशासन की तरफ से संपर्क नहीं किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण गुजरात के सापुतारा घाटी में बस के गिरने से 2 की मौत, 48 घायल

अहवा ,10 जुलाई 2022। सापुतारा घाटी में बीती देर शाम एक बड़ा हादसा हो गया, जहां एक निजी बस के चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया और ब्रेक फेल होने और टायर फटने के कारण वाहन मालेगांव घाटी में जा गिरी। हादसे में दो महिला यात्रियों की मौत हो गई। साथ ही कम से कम 48 यात्री घायल हो गए। डांग के अतिरिक्त रेजिडेंट कलेक्टर पद्मराज गामित ने आईएएनएस को बताया, सूरत से शुरू हुई एक निजी बस सापुतारा के पास मालेगांव घाटी में गिरी, प्राथमिक सूचना यह है कि ब्रेक फेल हो गया और टायर एक साथ फट गया, जिससे चालक ने स्टीयरिंग पर नियंत्रण खो दिया और बस घाटी में जा गिरी। दो महिला यात्रियों रेशमा वाघेला और सोनल दावड़ा की मौके पर ही मौत हो गई।

शिव-पार्वती बन नाटक करना अपराध नहीं, बोले असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा

गुवाहाटी ,10 जुलाई 2022। कनाडा के फिल्ममेकर द्वारा देवी काली का विवादित पोस्टर जारी करने के बाद बवाल अभी थमा नहीं है। इस बीच असम में भगवान शिव और पार्वती का रूप बनाकर नुक्कड़ नाटक करने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि उसे बाद में नोटिस देकर छोड़ दिया गया। इस मामले में सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भगवान की ड्रेस पहनकर नुक्कड़ नाटक करना कोई ईशनिंदा नहीं है। हालांकि इस का ध्यान रखा जाए कि आपत्तिजनक बातें और हरकतें न की जाएं। सरमा ने एक ट्वीट में कहा, मैं नवरूप सिंह से सहमत हूं कि समसामयिक मुद्दों पर नुक्कड़ नाटक करना ईशनिंदा नहीं है। जब तक कि आपराधिक भाषा न बोली जाए भगवान की ड्रेस पहनना भी अपराध नहीं है। नागांव पुलिस को उचित आदेश दे दिए गए हैं। बता दें कि घटना शनिवार सुबह की है जब नागांव की सड़क पर मोटरसाइकल पर सवार होकर शिव और पार्वती निकले।

दर्शन करने आए हैं,दर्शन करके ही जाएंगे,बादल फटने की घटना के बावजूद श्रद्धालुओं में उत्साह बरकरार

नई दिल्ली ,10 जुलाई 2022। बीते दिन अमरनाथ गुफा के पास बादल फटने से बड़ा हादसा हो गया। इस घटना में 16 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। हालंकि, घटना के बाद भी आधार शिविरों में टिके बाबा बर्फानी के भक्तों का हौसला डिगा नहीं है। भीषण हादसे के बावजूद उनका भरोसा कायम है। श्रद्धालुओं का कहना है कि बाबा ने इतनी दूर बुलाया है तो अब दर्शन भी करवाएंगे।

श्रद्धालुओं का कहना है, कि हम दर्शन करने आए हैं और बाबा के दर्शन करके ही जाएंगे। हमें भोले बाबा ने बुलाया है। उनके दर पर माथा टेके बिना वापस नहीं लौटेंगे। उधर, सुरक्षा बल और सरकारी मशीनरी घायलों को अस्पताल पहुंचा रहे हैं और खराब हुए रास्ते को ठीक कर रहे हैं।

असम में महंगाई के खिलाफ विरोध पर निकले बाइक सवार भगवान शंकर-पार्वती पहुंच गए जेल

गुवाहाटी, 10 जुलाई 2022। देश में लगातार बढ़ रही महंगाई के कारण लोग बेहद परेशान हैं। महंगाई को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ लोगों में भारी आक्रोश है और विरोध - प्रदर्शन कर रहे हैं। देश भर में आक्रोश के बीच असम के नगांव में एक पुरुष और एक महिला ने भगवान शिव और देवी पार्वती का रूप धारण कर अपना विरोध दर्ज कराया। इसको लेकर अब विवाद छिड़ गया है।

इस घटना की बजरंग दल की नगांव जिला इकाइयों और विश्व हिंदू परिषद ने कड़ी निंदा की है। इन्होंने आरोप लगाया कि हिंदू सनातन धर्म की भावनाओं को ठेस पहुंचाई गई है। शिव और पार्वती का रूप धारण किए हुए एक महिला और एक पुरुष ईंधन, खाद्य पदार्थों और अन्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को लेकर विरोध में सड़कों पर उतर आए। बाइक सवार दोनों नगांव के कॉलेज चौक पहुंचे। यहां उन्होंने वाहन में ईंधन खत्म होने पर ड्रामा किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए भगवान शिव के वेश में अभिनेता ने कहा कि सरकार केवल पूंजीपतियों के हित में काम कर रही है और उसे आम लोगों के मुद्दों की चिंता नहीं है। इसके बाद उन्होंने जिज्ञासु दर्शकों से सड़कों पर उतरने और बढ़ती महंगाई का विरोध करने का आग्रह किया।

इसके बाद कलाकार बड़ा बाजार इलाके में पहुंचे और ऐसा ही नुक्कड़ नाटक किया। स्टंट ने विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल का ध्यान आकर्षित किया।

उन्होंने इस नाटक की आलोचना की और युवकों पर हिंदू भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया। इसके बाद नगांव सदर पुलिस स्टेशन में अभिनेता जोड़ी बिरिंची बोरा और करिश्मा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई। इसके बाद बोरा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अधिकारी ने आरोपी की पत्नी का किया रेप

थाना छोड़कर हुआ फरार

हैदराबाद 10 जुलाई 2022। तेलंगाना के हैदराबाद से एक ऐसा मामला सामने आया है जहां एक पुलिस अधिकारी ने एक महिला से रेप किया। यह महिला थाने में दर्ज एक मामले के आरोपी की पत्नी थी। इतना ही नहीं रेप के बाद पुलिस अधिकारी पर आरोप है कि उसने महिला और उसके पति का किडनैप भी किया है। इस पूरे मामले के खुलासे के बाद उस पुलिस अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है।

दरअसल, यह घटना हैदराबाद के मारेदपल्ली पुलिस स्टेशन की है। एक महिला का आरोप है कि उसके पति के खिलाफ साल 2018 में दर्ज एक प्राथमिकी के मामले में की जांच क्षेत्र निरीक्षक नागेश्वर राव कर रहे थे। इसी मामले के जांच के सिलसिले में में बीते सात जुलाई को निरीक्षक महिला के घर में जबरन दाखिल हुआ और उसके साथ रेप किया।

यह भी आरोप है कि इसमें कहा गया है कि नागेश्वर राव ने महिला और उसके पति को रिवाल्वर दिखाकर दोनों को अगवा भी कर लिया था। महिला ने यह भी बताया कि नागेश्वर राव ने उसके पति को पीटा भी है। इसके बाद धमकी भी दी कि अगर उन्होंने परिवार के सदस्यों को इस मामले के बारे में बताया तो वे एक झूठा मामला दर्ज करेंगे।

मामला सामने आने के बाद फिलहाल पुलिस ने पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए भेज दिया। मामले में एक्शन लेते हुए हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने विस्तृत जांच और जांच लंबित रहने तक पुलिस अधिकारी को सेवा से निलंबित कर दिया है। उधर आरोपी पुलिस अधिकारी फरार है। नागेश्वर राव की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने विशेष टीमें गठित की हैं।

अब 21 वर्ष के युवा भी निकायों में बन पाएंगे अध्यक्षः अध्यादेश को मुख्यमंत्री की मंजूरी, राजभवन से स्वीकृति के बाद जारी होगी अधिसूचना

भोपाल, 10 जुलाई 2022। मध्यप्रदेश में नगर पालिका और नगर परिषद अध्यक्ष की आयु घटाने के अध्यादेश को मुख्यमंत्री की मंजूरी मिल गई है। निकाय चुनव में आयु सीमा 25 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष करने वाले संशोधित अध्यादेश को सीएम (ष्टरू) हाउस भेजा गया था। अब संशोधित अध्यादेश को राजभवन भेजा जाएगा।

संशोधित अध्यादेश में वार्डों की सीमा घटाने और वृद्धि की अवधि छः माह से घटाकर दो महीने किया गया है। सोमवार को अध्यादेश राजभवन जाएगा, वहां से मंजूरी मिलते ही अधिसूचना जारी होगी। मंजूरी मिलते ही पार्षद और नगर पालिका, नगर परिषद अध्यक्ष पद की पात्रता उम्र समान होगी। फिलहाल अध्यक्ष बनने के लिए पात्रता आयु 25 वर्ष या उससे अधिक निर्धारित है।

जबकि पार्षद पद के लिए पात्रता आयु 21 साल है। इसके कारण 21 वर्ष की आयु में पार्षद बनने वाला अध्यक्ष नहीं बन सकता है। अध्यादेश को मंजूरी मिलने के बाद अब 21 वर्ष के युवा भी स्थानीय निकायों में अध्यक्ष बन पाएंगे। इसके लिए सरकार मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 में संशोधन करेगी।

बता दें कि प्रदेश में फिलहाल नगरपालिका अध्यक्ष की उम्र 25 वर्ष होनी चाहिए लेकिन परिषद के लिए खड़े होने की उम्र 21 वर्ष है तो इस कारण इस अध्यादेश में संशोधन किया जा रहा है।

ब्लॉगर रितिका सिंह हत्याकांड :

दो नामजद आरोपी गिरफ्तार, पूछताछ में एक और बड़ा खुलासा,मृतका के मोबाइल बरामद,मिलीं कई फोटो

आगरा, 10 जुलाई 2022। चर्चित फैशन ब्लॉगर रितिका सिंह की हत्या के मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. वारदात के बाद से ही यह दोनों नामजद आरोपी फरार चल रहे थे. वहीं पुलिस ने दोनों आरोपियों से पूछताछ के दौरान रितिका के पति आकाश गौतम को गिरफ्तार किया और उसका मोबाइल बरामद किया है. कई घंटों की पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है. आगरा के फैशन ब्लॉगर रितिका सिंह हत्याकांड में एक और खुलासा हुआ है. हत्यारोपी पति आकाश फ्लैट खाली कराने के बहाने चेतन लेकर आया था. उसके साथ चेतन का दोस्त अनवर भी आया था. पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. यह दोनों आरोपी रितिका की हत्या के बाद से फरार थे. इन आरोपियों से हत्यारोपी आकाश और मृतका रितिका के मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं. मोबाइल में रितिका की कुछ तस्वीरें मिली हैं. पुलिस का कहना है कि मोबाइल की फॉरेंसिक जांच कराई कराई जाएगी.

महाठग सुकेश से हर महीने डेढ़ करोड़ रिश्वत लेते थे पुलिस कर्मचारी,रोहिणी जेल के 82 अफसरों पर एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली ,10 जुलाई 2022। महाठग सुकेश चंद्रशेखर के मामले में एक बड़ी जानकारी हासिल हुई है। इस मामले में दिल्ली पुलिस आर्थिक अपराध शाखा ने रोहिणी जेल के 82 अधिकारी-कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इतनी बड़ी संख्या में पुलिस कर्मचारियों का सुकेश मामले में जुड़े होना हैरानीजनक है। इन सभी अफसरों और कर्मचारियों पर सुकेश चंद्र शेखर से करीब 1.5 करोड़ रुपये प्रतिमाह रिश्वत लेने का आरोप है। सुकेश अलग से बैरक उपलब्ध करवाने और जेल में मोबाइल फोन यूज करने समेत अन्य सुविधाएं मुहैया करवाने के नाम पर ये रकम अफसरों को देता था।

आपको बता दें कि सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के तिहाड़ जेल में रहकर 200 करोड़ रुपए की ठगी की घटनाओं को अंजाम दिया था। इसके अलावा और भी कई मामलों में उसका नाम सामने आया है। सुकेश ने जेल से ही गृह मंत्रालय का अफसर बनकर ठगी की थी। फिलहाल इस मामले की अब दिल्ली पुलिस पूरी गहनता से जांच करेगी। आपको बता दें कि सुकेश चंद्रशेखर इस समय पुलिस की गिरफ्त में है और तिहाड़ की जेल नंबर 3 में बंद है।

हरियाणा को अलग विधानसभा भवन के लिए चंडीगढ़ में मिलेगी जमीन,पंजाब ने जताई नाराजगी

चंडीगढ़ ,10 जुलाई 2022। हरियाणा विधानसभा के लिए एक नए भवन का निर्माण होगा। इसकी जानकारी खुद मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने दी है। उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि हरियाणा विधानसभा के लिए अलग भवन की हमारी मांग को पूरा करते हुए आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मान ली है। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने चंडीगढ़ में विधानसभा के लिए अतिरिक्त जमीन देने की घोषणा की है। ऐसे में मैं समस्त हरियाणा वासियों की ओर से गृह मंत्री जी का हृदय से धन्यवाद करता हूं।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इस घोषणा के लिए समस्त हरियाणा वासियों की ओर से गृहमंत्री का आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा विधानसभा के लिए नए अतिरिक्त भवन के लिए भूमि की पहचान कर ली गई है। अब गृहमंत्री की घोषणा के बाद जल्द ही इसका काम शुरू हो पाएगा।

दरअसल वर्ष 2026 में नया परिसीमन प्रस्तावित है, जिसके आधार पर वर्ष 2029 में लोकसभा व विधानसभा चुनाव होंगे। अनुमान है कि नये परिसीमन में हरियाणा की जनसंख्या के अनुसार विधानसभा क्षेत्रों की संख्या 126 तथा लोकसभा क्षेत्रों की संख्या 14 होगी। हरियाणा विधानसभा में इस समय 90 विधायक हैं। मौजूदा भवन में इन 90 विधायकों के बैठने के लिए भी पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं है। यही नहीं, इस भवन का विस्तार किया जाना भी संभव नहीं है, क्योंकि यह हैरीटेज बिल्डिंग है। मौजूदा भवन में भी हरियाणा को लगभग 56 साल बीत जाने के बाद भी पूरा हक नहीं मिला है। विधानसभा भवन में 24,630 वर्ग फुट क्षेत्र हरियाणा विधानसभा सचिवालय को दिया गया था। लेकिन हरियाणा के हिस्से में आए 20 कमरे अभी भी पंजाब विधानसभा के कब्जे में हैं। ऐसे में कर्मचारियों के साथ-साथ विधायकों, मंत्रियों और समितियों की बैठक के लिए पर्याप्त स्थान की कमी आड़े आ रही है।

हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष ज्ञान चन्द गुप्ता ने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि जयपुर में हो रही उत्तर क्षेत्र परिषद की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हरियाणा को नई सौगात दी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के नए विधानभवन के लिए हम एक साल से प्रयास कर रहे थे। सीएम मनोहर लाल खट्टर ने यह बात उनके समक्ष बैठक में रखी और गृह मंत्री ने चंडीगढ़ में हरियाणा की नई विधानसभा बनने को मंजूरी दे दी।

उधर, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ट्वीट कर केंद्र सरकार से अपील की है कि हरियाणा की तर्ज पर पंजाब के लिए भी अपनी विधानसभा बनाने के लिए चंडीगढ़ में जमीन आवंटित की जाए। उन्होंने ट्वीट में लिखा कि लंबे समय से मांग है कि पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट को भी अलग-अलग किया जाए। इसके लिए भी कृपया करके केंद्र सरकार चंडीगढ़ में जमीन मुहैया करवाए।

संपादकीय

श्रीलंका की दयनीय हालत

श्रीलंका की मदद करने से अंतरराष्ट्रीय समुदाय हिचक रहा है। इस बीच आर्थिक संकट गहराता चला गया है। तो अब श्रीलंका सरकार अपने सम्मान और सुरक्षा पर समझौते कर रही है।
श्रीलंका की हालत अब दयनीय दिखने लगी है। वह एक ऐसे देश के रूप में नजर आ रहा है, जिसकी मदद करने को कोई तैयार नहीं है। इस मामले में अपवाद सिर्फ भारत और चीन रहे हैं। चूंकि बाकी दुनिया ने उससे मुंह मोड़ लिया है, तो श्रीलंका सरकार को अब ऐसे कदम उठाने पड़ रहे हैं, जिन्हें पहले वह अपनी जनता की सुरक्षा और देश की स्वतंत्र विदेश नीति के खिलाफ समझती थी। इन फैसलों पर गौर कीजिएः गोटबया राजपक्षे सरकार ने पिछले दिनों श्रीलंकाई महिलाओं के विदेश जाकर काम करने के मामलों में पारिवारिक पृष्ठभूमि की जांच की शर्त हटा ली। जबकि यह जांच इसलिए की जाती थी कि ताकि महिलाए विदेश जाकर शोषण का शिकार ना हों। उसके बाद खबर आई कि श्रीलंका अमेरिकी संस्था मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन से मदद लेने को तैयार हो गया है, जबकि पहले वह इसे ठुकरा चुकी थी। तब श्रीलंका सरकार ने कहा था कि मदद की ये पेशकश असल में श्रीलंका को अमेरिका की इंडो-पैसिफिक में घसीटने की कोशिश है। अब उसने कतर की एक संस्था से मदद स्वीकार कर लेने का भी फैसला किया है।
कुछ ही समय पहले श्रीलंका सरकार ने इस संस्था के खातों को जाम कर दिया था। तब उस पर श्रीलंका में इस्लामी आतंकवाद को बढ़ावा देने का इल्जाम लगाया गया था। आरोप है कि 2019 में हुए ईस्टर बम धमाकों के मास्टरमाइंड जहरान हाशिम को कतर की इस संस्था से मदद मिली थी। इस संस्था का नाम पर्ल ऑफ यूनिटी है। दरअसल, श्रीलंका सरकार ने ईंधन की सहायता पाने के लिए पश्चिम एशिया के कई देशों से संपर्क किया है। लेकिन इस कोशिश में उन्हें ज्यादा सफलता नहीं मिली। बीते हफ्ते खबर आई कि जापान ने अब उसे मदद ना देने का फैसला किया है। कोलंबो स्थित जापानी राजदूत मिजुकोशी हिदेयेकी ने इस बारे में श्रीलंका सरकार को औपचारिक सूचना दी। उन्होंने कहा कि श्रीलंका में मौजूदा 'कुप्रबंधन' को देखते हुए उसे मदद देना जोखिम भरा हो गया है। इसलिए जापान अभी कोई मदद नहीं देगा। इस बीच आर्थिक संकट गहराता चला गया है। तो अब श्रीलंका सरकार अपने सम्मान और सुरक्षा पर समझौते कर रही है।

वैकल्पिक व्यवस्था कहां है?

भारतीय जनता पार्टी लंबे समय तक यथास्थितिवादी पार्टी मानी थी लेकिन अब वह वैचारिक स्तर पर अपने यथास्थितिवाद के बावजूद एक डिसरप्टिव फोर्स के तौर पर उभर रही है। वह राजनीति के मौजूदा ढांचे को बदल रही है। भारत में जिस राजनीतिक ढर्रे को सहज रूप से स्वीकार किया गया था उसे वह बदल रही है या बदलने का प्रयास कर रही है। दशकों से जो पार्टियां लोगों के दिल-दिमाग में बैठी हैं उनको खत्म कर रही है और उनकी जगह नई व्यवस्था बनाने की कोशिश कर रही है। पर इसके बड़े खतरे हैं। यह शेर की सवारी की तरह है। अगर गिरे तो खतरा है कि शेर खा जाएगा। ऐसा नहीं है कि देश में जो स्वीकार्य राजनीतिक ढांचा है वह बहुत अच्छा है इसलिए उसमें बदलाव नहीं होना चाहिए। उसमें कई चीजें खराब हैं लेकिन उन्हें बदलने से पहले वैकल्पिक व्यवस्था बनानी होगी।
भाजपा ने भाषा का विवाद शुरू किया लेकिन यह बिना किसी तैयारी के किया गया। एक तो आर्थिक कारणों से, जीएसटी की वजह से, 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों की वजह से और कई अन्य कारणों से दक्षिण भारत के देश अपने को अलग-थलग महसूस कर रहे थे। वे अपना एक संघ बना रहे थे और उनके वित्त मंत्रियों की बैठकें हो रही थीं। ऐसे में भाषा का विवाद शुरू हो गया। अगर इस मामले में बहुत सोच-समझ कर कदम नहीं उठाया गया तो आने वाले दिनों में भारत की एकत और अखंडता के लिए बड़ी चुनौती पैदा होगी। इसी तरह हिंदू-मुस्लिम की जो ऐतिहासिक ग्रंथि है वह एक न एक दिन फूटने वाली थी और तब देश में आंतरिक संघर्ष होता लेकिन ऐसा लग रहा है कि भाजपा हिंदू वोटों की राजनीति में उस प्रक्रिया को फास्ट फॉरवर्ड कर रही है। जो काम दो-चार दशक बाद होता उसके लिए पहले ही आधार तैयार किया जा रहा है। लेकिन वह भी बिना तैयारी के है। उसमें भी भाजपा के पास कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है कि वह कैसे हालात को संभालेगी। भाजपा के नेता जिस कट्टरपंथी राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं उसके भड़कने पर सुरक्षा या उसे संभालने की क्या व्यवस्था है, वह किसी को पता नहीं है। ऐसा लग रहा है कि बिना किसी तैयारी के भाजपा देश और समाज को संकट में डाल रही है।
भारतीय जनता पार्टी के नेता इस बात का जश्न मना रहे हैं कि पंजाब में शिरोमणि अकाली दल बहुत कमजोर हो गई है। हाल में संगरूर लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव के नतीजों पर भाजपा के नेता इस बात की खुशी मना रहे हैं कि उनके उम्मीदवार को अकाली दल से ज्यादा वोट मिले। भाजपा का उम्मीदवार चौथे स्थान पर रहा, जबकि अकाली दल का उम्मीदवार पांचवे स्थान पर रहा। भाजपा के लिए भले यह जश्न की बात हो लेकिन देश के लिए चिंता की बात यह है कि अकाली दल के कमजोर होने के साथ ही कट्टरपंथी संगठन मजबूत हो गए हैं और संगरूर सीट पर अकाली दल अमृतसर के नेता सिमरनजीत सिंह मान जीत गए, जिन्होंने जीतने के बाद कहा कि यह संत जनरैल सिंह भिंडरावाले की शिक्षा का नतीजा है। उन्होंने अपना चुनाव ही गुरु ग्रंथ साहिब के बेअदबी के मुद्दे पर लड़ा था। सोचें, एक तरफ ग्रंथ साहिब की बेअदबी को मुद्दा बना कर सिख कट्टरपंथी नेता जीत रहा है तो दूसरी ओर पैगंबर की बेअदबी का मुद्दा बना कर मुस्लिम कट्टरपंथी किसी का गला काट रहे हैं। बिना सोचे-समझे और बिना वैकल्पिक व्यवस्था बनाए मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था का ढांचा नष्ट करने का प्रयास देश के लिए बहुत घातक हो सकता है।

-हरिशंकर व्यास-

वर्तमान में आम इंसान की परेशानियां

भावना ठाकर भावु
बेंगलोर, कर्नाटक

आज आम इंसान के हालातों पर रोटी कपड़ा और मकान फ़िल्म के गानें की चंद पंक्तियाँ याद आ रही है,

गरीब को तो बच्चे की
पढ़ाई मार गई
बेटी की शादी और सगाई
मार गई
किसी को तो रोटी की
कमाई मार गई
कपड़े की किसी को सिलाई
मार गई
किसी को मकान की
बनवाई मार गई
बाकी कुछ बचा तो
महंगाई मार गई

आज देश बहुत सारे हालातों से जूझ रहा है उसमें सबसे अहम मुद्दा आज महंगाई और बेरोजगारी है। उपर से पिछले दो सालों से कोरोना ने कहर बरपाया, जिसमें लॉक डाउन के दौरान कई लोगों की नौकरियां छूट गई, कई कंपनियां बंद हो गई। मोल मौलात वाले झेल गए पर छोटे व्यापारियों की हालत खस्ता हो गई। वैश्विक मंदी ने सबकी आर्थिक व्यवस्था डावाँडोल कर दी है। पर आम इंसान को अपनी परेशानियों ने ऐसे मारा कि न कह सकते है, न सह सकते है। थोड़ा सरकार ध्यान दें और थोड़ जनता योगदान दें तभी देश वापस उपर उठ पाएगा।
बहुत सारी चुनौतियों के बीच 2024 के चुनावों तक मौजूदा सरकार को कुछ मुद्दों के प्रति जागरूक होना बेहद जरूरी है, वो है आम आदमी की परेशानियां।
महंगाई और बेरोजगारी की आग किसी भी साम्राज्य को जला कर रख देती है प्रत्यक्ष उदाहरण म्यामांर और श्रीलंका है।
सरकार की नीतियों से आम इंसान को कोई सरोकार नहीं होता। आज के ज़माने में हर कोई ज़िंदगी की चुनौतियों से लड़ते हुए दो सिरों को जोड़ने की जद्दोजहद में लगा है। महंगाई की मार से परेशान आदमी जूझ रहा है। इनको बड़े मोल, बड़ी-बड़ी गाडियाँ, ऑवर ब्रिज़, मेट्रो ट्रेन, विदेशों के साथ आयात-निकास, भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंध, चकाचक रोड या रस्ते, सरहद पर दुश्मनों से लड़ते हुए सिपाहियों की तकलिफ़े या आतंकवाद इनमें से एक भी मुद्दे के साथ कोई लेना-देना नहीं। बेशक ये सारे काम देश की प्रगति

के लिए बेहद जरूरी है। पर सरकार को वोट देकर चुनने के पीछे आम इंसान का एक ही मकसद होता है सब्ज़ी, दाल, आटा, गैस के सिलेंडर और पेट्रोल-डिज़ल के साथ रोज़गार और नौकरी सहज रुप से सस्ते दामों में हासिल हो। क्यूँकि इनको जीने के लिए मेट्रो ट्रेन या मोल की जरूरत नहीं रोज़मर्रा के जीवन में उपयोग में आने वाली इन सारी चीज़ों की जरूरत है। बेशक मौजूदा सरकार ने बड़े-बड़े मुद्दों को सुलझाया है। सालों से अटके कई बिलों को पास करवा कर जनता के हित में फैसले लिए है, मुस्लिम महिलाओं को उनका हक दिलवाया तीन तलाक हटाकर राहत दिलवाई। पर शायद आम जनता की तकलिफ़ों को कम करने में कहीं न कहीं चूक गई है। लोगों का असंतोष चरम पर है।
शिक्षा और मैडिकल इतने महंगे की आम इंसान की पहुँच से बाहर होते जा रहे है ये खर्चे। सोचिए बीस पच्चीस हज़ार या तीस हज़ार की नौकरी, घर में चार से पाँच लोगों का निर्वाह, उपर से बच्चों की पढ़ाई, बड़े बुज़ुर्गों की दवाई और अस्पताल के खर्चे। ऐसे में दिन ब दिन बढ़ती महंगाई कहाँ पहुँचे और कहाँ कटौती करें इंसान।
देखा जाए तो इतनी बड़ी आबादी वाले देश में हर मुद्दों पर नियंत्रण सरकार के हाथ में भी नहीं। अंतरराष्ट्रीय बाजार पर कुछ चीज़ों के भाव तय होते है। फिर भी एयर कंडीशनर रूम में मखमली नरम गद्दे और मखमली चद्दर पर पैर फैलाकर सोने वालों को क्या पता आम इंसान की परेशानियां। कभी नज़दीक जाकर गौर करें तब पता चलेगा की आसान नहीं आम इंसान के कदमों के निशान ढूँढना। कितना भगा रही होती है ज़िंदगी। पागल कुत्तों सी चुनौतियां पीछा करती है शायद ही इनके कदम धरती पर पड़ते हो। भले पूरे न हो पर हर इंसान सपने जरूर देखता है। इनके सपनो का कहीं छोर नहीं। हर सुबह पूरी नींद लेकर भी पसीजते उठता है। बंधी हुई आय में संभव भी तो नहीं सहज तरीका कहाँ से लाए ज़िंदगी जीने का।
दिमागी समुन्दर में ख़्वाहिशों के मगरमच्छों को दबाएं रखता है, रोटी को चटनी की तरी में भिगो कर खाने की आदत ड़ाल लेता है। पकवान की खुशबू लाख ललचाए पंचतारक होटेल की तंदूरी रोटी और पनीर दो प्याज़ा दूर-दूर तक दिखाई नहीं देता इनको। अब तो दो वक्त की रोटी का जुगो भी महंगा होता जा रहा है हज़ार के पार गैस सिलेंडर हो गया है। इनके लिए ये दुनिया कचरे के ढ़ेर सी कोहराम मचाती, गंध मारती बदबूदार है। इनको छांटने है अपने हिस्से के गौहर जो इनके काम के हो। इधर-उधर भटक कर शाम होते दो वक्त की रोटी के ज़ेवर रख दे घरवाली की हथेलियों पर तभी तो सार्थक होता है दिन भर का दौड़ना। वोट बैंक की नीतियों को परे रखकर सरकार को एक नज़र सामान्य लोगों की परेशानियों पर करने की जरूरत है।
पेट की भूख और जरूरत के आगे धार्मिक भावना भी दम तोड़ देती है। पार्टी कोई भी हो हिन्दुत्व और धर्म के नाम पर विजयी होने का सपना अब छोड़ दीजिए और इशारों में समझ लीजिए ये पब्लिक है, जो बोरियाँ भर भरकर वोट देकर जिस नेता को सिंहासन पर सत्तारू कर सकती है वो कुर्सी खिंचकर गिरा भी सकती है।

पर्यावरण के लिए भी समस्या बन रही बढ़ती आबादी

-योगेश कुमार गोयल-
नजफगढ़, नई दिल्ली

पूरी दुनिया की आबादी इस समय करीब 7.7 अरब है, जिसमें सबसे ज्यादा चीन की आबादी 1.45 अरब है जबकि भारत आबादी के मामले में 1.4 अरब जनसंख्या के साथ विश्व में दूसरे स्थान पर है। विश्व की कुल आबादी में से करीब 18 फीसदी लोग भारत में रहते हैं और दुनिया के हर 6 नागरिकों में से एक भारतीय है। अगर भारत में जनसंख्या की सघनता का स्वरूप देखें तो जहां 1991 में देश में जनसंख्या की सघनता 77 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर थी, 1991 में बढ़कर वह 267 और 2011 में 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो गई। भारत में बढ़ती आबादी के बढ़ते खतरों को इसी से बखूबी समझा जा सकता है कि दुनिया की कुल आबादी का करीब छठा हिस्सा विश्व के महज ढ़ाई फीसदी भूभाग पर ही रहने को अभिशप्त है। जाहिर है कि किसी भी देश की जनसंख्या तेज गति से बढ़ेगी तो वहां उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव भी उसी के अनुरूप बढ़ता जाएगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो आज दुनियाभर में करीब एक अरब लोग भुखमरी के शिकार हैं और अगर वैश्विक आबादी बढ़ती रही तो भुखमरी की समस्या बहुत बड़ी वैश्विक समस्या बन जाएगी, जिससे निपटना इतना आसान नहीं होगा। बढ़ती आबादी के कारण ही दुनियाभर में तेल, प्राकृतिक गैसों, कोयला इत्यादि ऊर्जा के संसाधनों पर दबाव अत्यधिक बढ़ गया है, जो भविष्य के लिए बड़े खतरे का संकेत है। जिस अनुपात में भारत में आबादी बढ़ रही है, उस अनुपात में उसके लिए भोजन, पानी, स्वास्थ्य, चिकित्सा इत्यादि सुविधाओं की व्यवस्था करना किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं है।
जनसंख्या संबंधी संयुक्त राष्ट्र की चौंकाने वाली एक रिपोर्ट में कहा गया था कि वर्ष 2050 तक एशिया महाद्वीप की आबादी पांच अरब हो जाएगी और सदी के अंत तक दुनिया की आबादी 12 अरब तक पहुंच जाएगी। 2024 तक भारत और चीन की जनसंख्या बराबर हो जाएगी और 2027 में भारत चीन को पछाड़कर विश्व का सर्वाधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार 2050 तक चीन की आबादी 140 करोड़ होगी जबकि भारत की आबादी 165 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में प्रतिवर्ष आस्ट्रेलिया की कुल जनसंख्या के बराबर बच्चों का जन्म होता है। हालांकि हम इस बात पर थोड़ा संतोष व्यक्त कर सकते हैं कि जनसंख्या वृद्धि दर के वर्तमान आंकड़ों की देश की आजादी के बाद के शुरूआती दो दशकों से तुलना करें तो 1970 के दशक से जनसंख्या वृद्धि दर में निरन्तर गिरावट दर्ज की गई है लेकिन यह गिरावट दर काफी धीमी रही है। आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक भारत में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या वृद्धि की गति धीमी हुई है। वर्ष 1971-81 के मध्य वार्षिक वृद्धि दर 2.5 प्रतिशत थी, जो 2011-16 में घटकर 1.3 प्रतिशत रह गई। जनसंख्या वृद्धि की रफ्तार को नियंत्रित रखने के लिए औसत प्रजनन दर 2.1 होनी चाहिए और हाल ही में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण द्वारा जारी आंकड़ों से पता चला है कि देश में यह दर 2.2 से घटकर 2 हो गई है तथा राहत की बात यह है कि मुस्लिम समुदाय में भी औसत प्रजनन दर तेज गिरावट के साथ 2.36 हो गई है।
पिछले कुछ दशकों में देश में शिक्षा और स्वास्थ्य के स्तर में निरन्तर सुधार हुआ है,

11 जुलाई : विश्व जनसंख्या दिवस

उसी का असर माना जा सकता है कि धीरे-धीरे जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट आई है लेकिन यह इतनी भी नहीं है, जिस पर खूब जश्न मनाया जा सके। बेरोजगारी और गरीबी ऐसी समस्याएं हैं, जिनके कारण भ्रष्टाचार, चोरी, अनैतिकता, अराजकता और आतंकवाद जैसे अपराध पनपते हैं और जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण किए बिना इन समस्याओं का समाधान संभव नहीं है। विगत दशकों में यातायात, चिकित्सा, आवास इत्यादि सुविधाओं में व्यापक सुधार हुए हैं लेकिन तेजी से बढ़ती आबादी के कारण ये सभी सुविधाएं भी बहुत कम पड़ रही हैं। जनसंख्या वृद्धि की वर्तमान स्थिति की भयावहता को मद्देनजर रखते हुए पर्यावरण विशेषज्ञों की इस चेतावनी को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि यदि जनसंख्या वृद्धि की रफ्तार में अपेक्षित कमी लाने में सफलता नहीं मिली तो निकट भविष्य में एक दिन ऐसा आएगा, जब रहने के लिए धरती कम पड़ जाएगी और बढ़ती आबादी जरूरी संसाधनों को निगल जाएगी। विश्वभर में अभी भी करीब डेढ़ अरब लोग ढ़लानों पर, दलदल के करीब, जंगलों में तथा ज्वालामुखी के क्षेत्रों जैसी खतरनाक जगहों पर रह रहे हैं।
जहां तक प्रति हजार पुरूषों पर महिलाओं की संख्या का सवाल है तो भले ही जनसंख्या वृद्धि दर धीमी गति से घट रही है किन्तु यह भी कम चिन्ता का विषय नहीं है कि जनसंख्या वृद्धि दर घटते जाने के साथ-साथ प्रति हजार पुरूषों पर महिलाओं की संख्या भी घट रही है। निसंदेह यह सब पुत्र की चाहत में कन्या भ्रूणों को आधुनिक मशीनों के जरिये गर्भ में ही नष्ट किए जाने का ही दुष्परिणाम है। जनसंख्या वृद्धि में अपेक्षित कमी लाने के साथ-साथ जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों में इस बात का ध्यान रखे जाने की भी नितांत आवश्यकता है कि पुरुष और महिलाओं की संख्या का अनुपात किसी भी सूरत में न बिगड़ने पाए क्योंकि यदि यह अनुपात इसी कदर गड़बड़ाता रहा तो आने वाले समय में इसके कितने घातक परिणाम सामने आएंगे, उसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते।
बढ़ती जनसंख्या जहां समूचे विश्व के लिए गहन चिन्ता का विषय बनी है, वहीं बढ़ती आबादी का सर्वाधिक चिंतनीय पहलू यह है कि इसका सीधा प्रभाव पर्यावरण पर पड़ रहा है। विश्व विकास रिपोर्ट के अनुसार प्राकृतिक संसाधनों से जितनी भी आमदनी हो रही है, वह किसी भी तरह पूरी नहीं पड़ रही, दशकों से यही स्थिति बनी है और इसे लाख प्रयासों के बावजूद सुधारा नहीं जा पा रहा। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक सन् 2050 तक विश्व की दो तिहाई आबादी नगरों में रहने लगेगी और तब ऊर्जा, पानी तथा आवास की मांग और बढ़ेगी जबकि बहुत से पर्यावरणविदों का मानना है कि सन् 2025 तक ही विश्व की एक तिहाई आबादी समुद्रों के तटीय इलाकों में रहने को विवश हो जाएगी और इतनी जगह भी नहीं बचेगी कि लोग सुरक्षित भूमि पर घर बना सकें। इससे तटीय वातावरण तो प्रदूषित होगा ही, पर्यावरण का संतुलन भी बिगड़ जाएगा।
इन सब बातों पर विमर्श करते हुए आज इस बात की नितांत आवश्यकता महसूस होने लगी है कि दुनिया के ऐसे प्रत्येक देश में, जो जनसंख्या विस्फोट की समस्या से जूझ रहा है, जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम युद्धस्तर पर चलाए जाएं और जनता को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं। भारत जैसे विकासशील देश में तो इसकी और भी ज्यादा जरूरत है क्योंकि हमारे यहां ऐसे कार्यक्रम प्रायः बड़े जोशोखरोश के साथ शुरू तो होते हैं किन्तु अक्सर ऐसी योजनाएं शुरू होने के कुछ ही समय बाद टांय-टांय फिस्स होने लगती हैं। अतः जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण पाने के लिए हमें कुछ कठोर और कारगर कदम उठाते हुए ठोस जनसंख्या नियंत्रण नीति पर अमल करने हेतु कृतसंकल्प होना होगा ताकि कम से कम हमारी भावी पीढ़ियां तो जनसंख्या विस्फोट के विनाशकारी दुष्परिणामों भुगतने से बच सकें।

डिफेंस सेक्टर में महिलाओं की सशक्त दस्तक

संजीव ठाकुर,
,रायपुर, छत्तीसगढ़

वर्तमान में भारत की विशाल जनसंख्या में 45 प्रतिशत भागीदारी महिलाओं की है । महिलाओं को अभी उनके हक का अधिकार एवं भागीदारी सुनिश्चित नहीं हो पा रही है, ऐसे में डिफरेंस सर्विसेस में महिलाओं की भर्ती एक अच्छे संकेत के रूप में सामने आ रही हैद्य आज के समय में महिलाएं सभी क्षेत्रों में साहस, शौर्य और ऊर्जा का बेहतरीन प्रदर्शन करते आ रही हैं, महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर काम में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। अब इसमें सशस्त्र बलों यानी डिफेंस सर्विस भी अछूता नहीं रहा सबसे बड़ी बात स्वतंत्र भारत की दूसरी रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण बनी थी इसके पूर्व श्रीमती इंदिरा गांधी प्रथम रक्षा मंत्री रही थीद्य अब कोई भी क्षेत्र ऐसा अछूता नहीं रहा जहां महिलाओं ने अपनी सशक्त दस्तक ई पहचान ना कराई हो, यह तो पूर्व से ही कहा गया है यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं तो सिर्फ एक पुरुष शिक्षक होता है किंतु यदि आप किसी महिला को सर्वांगीण शिक्षा देते हैं तो आने वाली संपूर्ण पीढ़ी को शिक्षित कर रहे हैं ।नारी शक्ति को अब ज्यादा दिनों तक देश की प्रगति विकास के योगदान से परे नहीं रखा जा सकता हैद्य परिवार की धुरी महिलाएं होती है परिवार से घर बनता है धर से समाज और समाज और संपूर्ण समाज से एक सशक्त राष्ट्र की बुनियाद रखी जाती है। इस तरह देश की बुनियाद ही स्त्री सशक्तिकरण हैद्य महिलाएं अच्छी तरह समझती हैं कि घर से लेकर देश की सीमा तक उन्हें व्यवहार कर देश के विकास और उसकी रक्षा में उन्हें किस तरह योगदान देना है। महिलाओं के बिना देश की प्रगति एवं विकास की कल्पना सर्वथा बेमानी हैद्य सशक्त माताएं सशक्त राष्ट्र का निर्माण करती हैंद्य और सीमा रक्षा बलों में महिलाओं की भागीदारी इसका एक बड़ा उदाहरण और प्रतिफल है इन उदाहरणों में से प्रथम लेफ्टिनेंट सुनीता अरोड़ा ,प्रथम एयर मार्शल पद्मावती बंदोपाध्याय ,कैप्टन मिताली मधुमिता ,भारत में आए अमेरिकी राष्ट्रपति को गार्ड ऑफ ऑनर देने वाली प्रथम विंग कमांडर पूजा ठाकुर ऐसे अधिकारियों के नाम है जिन्होंने रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है एवं महिलाओं के प्रति सारी अवधारणाओं को गलत साबित कर एक सशक्त छवि को निरूपित किया हैद्य महिलाओं की शारीरिक बनावट तथा उनके शारीरिक विन्यास को देखते हुए प्रतिरक्षा सेवा में उनकी भूमिका बहुत कम रही है,हम मां दुर्गा भवानी की पूजा करते हैं और महिलाओं को कमजोर समझते हैं। किंतु उनकी शक्ति को उनकी भागीदारी को अंततः स्वीकार किया गया और 1992 में पहली बार भारतीय सेना में महिलाओं के लिए द्वार खोले गए एवं 25 महिला कैंडिडेट को ऑफिसर ट्रेनिंग एकेडमी गया में ट्रेनिंग दी गई इसके पूर्व सिर्फ चिकित्सा सेवा में महिलाओं को नियुक्त किया जाता रहा है। सेना में इनकी भागीदारी होते हुए भी इन्हें पुरुषों के समान अधिकार नहीं दिए गए थे, महिलाएं रक्षा सेवा में विधिक, शिक्षा, इंजीनियरिंग, इंटेलिजेंस तथा ऐयर सिग्नल कोर में अपनी सेवाएं देती रही हैं ।महिलाओं को केवल शॉर्ट सर्विस कमिशन जाने की 14 साल तक के लिए कमीशन किया जाता रहा जबकि पूरे समय के लिए केवल पुरुषों को ही सेना में भर्ती किया जाता थाद्य 2008 में उच्च न्यायालय के निर्देश पर महिलाओं को परमानेंट कमिशन पर रखा जाने लगा।यह नारी सशक्तिकरण के लिए एक सशक्त मील का पत्थर साबित हुआद्य सेना की सैन्य प्रमुखों की समिति ने सशस्त्र बलों में महिलाओं की नियुक्ति पर स्थाई कमीशन की सिफारिश तो की किंतु इन्हें लड़ाकू सैनिकों की भूमिका देने से इनकार कर दिया उसके पीछे यह दलील दी गई की महिलाओं को लड़ाई के मैदान में भेजना उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए ठीक नहीं एवं देश की संस्कृति के अनुसार महिलाओं को दुश्मन से लड़ने भेजना अथवा दुश्मन द्वारा पकड़े जाने पर उचित नहीं होगा। इसलिए महिलाओं को फ्रंटलाइन में नियुक्त किया जाना उचित नहीं होगा किंतु बाद में कुछ संशोधन किए जाने के पश्चात महिला अधिकारी कॉम्बैट जोन में पदस्थ की जाने लगी किंतु समाज का नजरिया महिलाओं के संदर्भ में बदलने लगा एवं 2016 में सशस्त्र बलों के कॉम्बैट क्षेत्र में महिलाओं को नियुक्ति देने की बात स्वीकार की गई इसमें दुनिया में कुछ देश ही हैं जिन्होंने महिलाओं को वार फ्रंट पर नियुक्त किया है। पूर्व के थल सेना प्रमुख बिपिन रावत ने भी कहा था कि हम महिला और पुरुष को समान रूप से देखना चाहते एवं इसके लिए जल थल और वायु सेना एक रूपरेखा तैयार कर रही है जिसके सुखद परिणाम भी होंगे,सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी मजबूत रूप से सामने आएगी एवं पुरुषों की भांति देश की रक्षा तथा दुश्मनों से लोहा लेने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगीं।

इंसानियत के स्तंभ और जिंदगी की गुहार

केशी गुप्ता
द्वारका दिल्ली

जिंदगी परमात्मा की देन है। परंतु कर्म बंधन से व्यक्ति का जीवन बंधा होता है। इस बात को लेकर कई मत भेद है। एक मत के अनुसार हमारी वर्तमान जिंदगी पूर्व में किए हुए कर्मो पर आधारित होती है। दूसरी तरफ ऐसा कहा जाता है कि हर कर्म का हिसाब इसी जिंदगी में देना होता है। स्वर्ग या नरक मृत्यु के पश्चात नहीं बल्कि यथार्थ में यही जिंदगी के दौरान काटने पड़ते हैं। यदि जिंदगी खुशहाल वैभव से भरपूर हो तो स्वर्ग से कम नहीं और यदि जिंदगी दुख दरिद्रता बीमारियों से घिरी हो तो नर्क के समान है । कहते हैं कर्म के आधार पर ही व्यक्ति के जीवन में लोगों का आना जाना तथा अन्य सभी कार्य निश्चित होते हैं। जहां आज कलयुग में इंसानियत दम तोड़ रही है दूसरी ओर धरती के कुछ ऐसे स्तंभ है जो आज भी इंसानियत का दामन थामे हुए हैं। आज दिनांक 8 जुलाई 2022 को मिशल फाउंडेशन, मणिपाल हॉस्पिटल द्वारका दिल्ली के द्वारका सेक्टर 16ड्ड हरी विहार में देवों ओल्ड एज होम में मेडिकल कैंप लगाया गया। जिसमें मेरा जाना हुआ। जहां यह देख कर अच्छा लगा कि इंसानियत आज भी जिंदा है वही यह देख कर दिल दहल गया कि जिंदगी कुछ इस तरह भी दिखती है। यह देवों ओल्ड एज होम एक गोस्वामी फैमिली द्वारा चलाया जा रहा है।वह यहां लगभग 60 वृद्ध महिला पुरुष जो कि मानसिक, शारीरिक रूप से किसी ना किसी तरह से ग्रसित हैं उनकी देखभाल करते हैं। तारा गोस्वामी की उम्र 60 वर्ष तथा देव गोस्वामी जी की 72 वर्ष है। मेरी मुलाकात तारा गोस्वामी जी से हुई। उन्होंने बताया कि इस सेंटर में रहने वाले सभी व्यक्ति मानसिक रोगी हैं और कुछ लोगों की मदद से वह उन सभी की देखरेख करती है। इस काम में मदद के लिए उन्होंने 4 कर्मचारी रखे हुए हैं । उनका कहना है कि इन कर्मचारियों की तनख्वाह कुछ अन्य व्यक्तियों द्वारा दी जाती है। खाने पीने का सामान लोग दे जाते हैं। पुराने कपड़े तथा अन्य जरूरत का सामान भी इसी तरह लोगों के द्वारा दान स्वरूप में आ जाता है। तारा जी ने बताया कि पहले उनकी सास इस तरह के लोगों को अपने घर लाकर रखती थी तथा उनकी सेवा करती थी । उनके बाद उनके पति और उन्होंने यह जगह किराए पर लेकर इसे ओल्ड एज सेंटर का स्वरूप दिया। जिसका उन्हें एक भारी किराया अदा करना पड़ता है। जो मात्र एक बड़ा हाल है। इसकी हालत खस्ता है और उसमें कोई वेंटीलेशन नहीं है। इसमें एक छोटा छोटा टॉयलेट बाथरूम है। हॉल के साथ एक छोटा कमरा है जिसमें वे स्वयं रहती है। उनके द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार यहां पानी की समस्या होने की वजह से वहां रहने वाले सभी वृद्ध एक दिन छोड़कर नहा पाते हैं तथा तभी उनके वस्त्र इत्यादि धोए जाते हैं। कुछ लोग शारीरिक रूप से भी चलने फिरने में असमर्थ हैं और उन्हें डायपर की आवश्यकता पड़ती है। जो दिन में कई बार चेंज करने पड़ते हैं। उन्होंने बताया पानी की समस्या के लिए उन्होंने उस एरिया के एमएलए को भी लिखा परंतु किसी तरह का कोई जवाब अब तक नहीं मिला । इनके दो बच्चे हैं एक बेटे तथा एक बेटा । बेटी स्कूल टीचर है और बेटा किसी सरकारी अस्पताल में काम करता है जो समय समय पर इनकी मदद करते रहते है। उनकी संस्था 2008 में रजिस्टर्ड हुई थी। किसी आश्रित की मृत्यु होने पर आस-पड़ोस से उन्हें कोई मदद नहीं मिलती बल्कि वह स्वयं ही वहां रहने वाले अन्य आश्रित लोगों के साथ मृत व्यक्ति का दाह संस्कार करती हैं।
तारा गोस्वामी जी ने बताया कि वह और उनके पति यहां रहने वाले सभी वृद्ध आश्रितों को एक अच्छा रहने का स्थान देना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने अपना घर बेचकर हरि विहार में ही एक बड़ा प्लॉट लिया है जिसे वह सभी सुविधाओं से युक्त ओल्ड एज होम का रूप देना चाहती हैं। इसके लिए उन्हें आर्थिक मदद की आवश्यकता है। ऐसा ही सेंटर वह सोनीपत में भी चला रहे हैं। उनके मुताबिक उसमें 200 वृद्ध मानसिक रोगी रह रहे हैं ।
हम उम्मीद करते हैं कि इस लेख द्वारा उनकी बात सरकार तथा अन्य लोगों तक पहुंचेगी और उन्हें सहायता आर्थिक मदद जरूर मिलेगी। जिससे इंसानियत के स्तंभ और मजबूत हो सकेंगे तथा वहां रहने वाले आश्रित वृद्ध व्यक्तियों का जीवन बेहतर हो सकेगा।

गुरु दोहे

प्रिया देवांगन
प्रियू
राजिम छत्तीसगढ़

शिक्षा देते साथ में, बाँटे गुरुवर ज्ञान।
सभी देवता से बड़े, गुरुवर को ही मान।।
निशदिन पूजा मैं करूँ, जोड़ूँ दोनो हाथ।
भटकूँ मैं जब राह पर, गुरुवर देना साथ।।
कोरा कागज जो रहे, भरते उनमें ज्ञान।
सभी देवता से बड़े, गुरुवर को ही मान।।
सत्य वचन कहते सदा, ध्यान लगाते शिष्य।
गुरु कल का अनुमान कर, गढ़ते आज भविष्य।।
कृपा रहे जिस पर सदा, बनते वो विद्वान।
सभी देवता से बड़े, गुरुवर को ही मान।।

मन की फेर?

दिब्यानन्द पटेल
कोरबा छत्तीसगढ़

बड़ी गजब की बांसुरी
बड़ी गजब की धुन।
बात फते की मैं कहु,
ध्यान लगाकर सुन।
मंजर कितने देख लिए,
राही राह ताके अब बाकी।
खालिक बन गया नीरस मन,
मंजर जिसका अब भी शाकी
भावी गुजरी जो राहो पे,
दो मुठ्ठी की थाली हो।
पेट भूख को तरस रहा।
कोठी जिसकी खाली हो।
मांगे वक्त जवाब सभी से,
क्या दूरी क्या पास हो।
कल फिक्र की उलझन कैसी,
जब वर्तमान की आस हो।
टूट किनारा अपने की हो,
डराता है तब वक्त की आंधी।
टूटते है समय की धार पे,
जब छोड़ दे साथ संबंधी।
विश्वास प्रखर की विजयी हो,
हृदय अधर जब धवला हो।
लट्टू बन फिर घूम रहा,
मन भी जितना बावला हो।
हम सोच रहे उस आदी को,
जीवन की उस बर्बादी को।
गिर गए जो उठ न पाए,
सहमा सा अज्ञेयवादी को।
माया की तोड़ दीवारे जोगी,
गीत हृदय से गुनगुना रही।
सार रस जीवन की अपनी,
चहक चिड़िया भी सुना रही।

अमर

प्रीति चौधरी मनोरमा
बुलंदशहर उत्तरप्रदेश

हृदय की प्राचीरों पर अब
नाम तुम्हारा अमर रहेगा।
मेरे सपनों के आँगन में
सदा तुम्हारा घर रहेगा।
पग-पग साथ निभाते हो तुम
सखा कहूँ या मीत कहूँ।
मुझको तेरा साथ मिला है
इसको अपनी जीत कहूँ।
तेरी स्मृतियों से झंकृत
मेरे उर का नगर रहेगा।
हृदय की प्राचीरों पर अब
नाम तुम्हारा अमर रहेगा...
है शब्दों के भार से मुक्त
मूक प्रेम गंगा सा पावन।
मलिनता से कोसों दूर है
आँखों का छलकता सावन।
तुम्हारी उपस्थिति से साथी
सुखमय जीवन सफर रहेगा।
हृदय की प्राचीरों पर अब
नाम तुम्हारा अमर रहेगा...
मैंने तुमको तुमने मुझको
अक्षर- अक्षर जान लिया है।
प्रेम के गहरे सागर को
भावों से पहचान लिया है।
नैनों में प्रिय का प्रतिबिंब
यूँ ही आठों प्रहर रहेगा।
हृदय की प्राचीरों पर अब
नाम तुम्हारा अमर रहेगा...

बिन भोले कैसा सावन

कार्तिकेय त्रिपाठी राम
इन्दौर मध्यप्रदेश.

लोग कहें आ गया है सावन,
रिमझिम- रिमझिम वाला सावन,
बिन भोले के कैसा सावन,
जैसै बिन मिसरी के माखन।
लोग कहें आ गया है ...
रुत जीवन के रंग को बदले,
भोले से मिलने को निकले ,
गरज रहे हैं बादल इतनें,
शहनाई में सुर हों जितनें।
लोग कहें आ गया है....
इन्द्र धनुष बदली से निकला,
तारों की बारात लिए,
शंखनाद हो रहा है ऐसा,
चंदा सूरज साथ लिए।
लोग कहें आ गया है ...
पत्ता-पत्ता ,कोंपल-कोंपल,
ओस में है भीगी-भीगी-सी,
प्रमुदित होते फूल हृदय के,
भोले के आने की सुन के।
लोग कहें आ गया है ...
शहद भरे स्वर कोयलिया के,
धरा पर करते नृत्य मयूरा,
मुस्कानों की छटा को भरके,
अब तो भोले फिर आएंगे।
लोग कहें आ गया है ...

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

एटीएम कार्ड बदल कर लाखों रुपए आहरित करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के 4 सदस्य चढ़े पुलिस के हत्थे

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर, 10 जुलाई 2022(घटती-घटना)। सरगुजा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एटीएम मशीन में रुपए निकालने पहुंचे लोगों का एटीएम कार्ड बदल कर लाखों रुपए आहरित करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के 4 सदस्यों को झारखंड व बिहार के अलग-अलग जगहों पर दबिश देकर बिहार से गिरफ्तार किया है। सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर, जशपुर जिले के 20 से अधिक जगहों पर आरोपियों ने हथियार से लैस होकर एटीएम कार्ड के पास रेकी की थी। इस दौरान रुपए निकालने पहुंचे लोगों का एटीएम कार्ड बदल कर तत्काल अपने पास रखे स्वाइप मशीन के माध्यम से स्वाइप कर या अलग-अलग जगह पर जाकर एटीएम से नगद पैसे निकाल लेते थे। ठगी की इन घटनाओं को देखते हुए सरगुजा एसपी भावना गुप्ता के निर्देश पर आपरेशन साइबर क्लीन चलाया गया था। पुलिस ने चारों ठगों को जेल भेज दिया है।

मामले का खुलासा करते हुए एसपी भावना गुप्ता ने बताया कि पिछले कुछ माह से जिले में लगातार एटीएम बूथ पर एटीएम कार्ड बदल कर अज्ञात लोगों द्वारा ठगी की घटना को अंजाम दिया जा रहा था। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए आईजी अजय यादव ने पुलिस अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला एवं नगर पुलिस अधीक्षक अखिलेश कौशिक के नेतृत्व में आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु प्रयास किया जा रहा था। इसके लिए सरगुजा पुलिस की एक संयुक्त टीम साइबर सेल प्रभारी एवं थाना गांधीनगर प्रभारी निरीक्षक कलीम खान व थाना प्रभारी उदयपुर धीरेंद्रनाथ दुबे, थाना धौरपुर प्रभारी भोज गुप्ता के नेतृत्व में 16 सदस्यीय टीम को लगाया गया था।

आरोपियों को पकडने के लिए टीम को झारखंड व बिहार के अलग-अलग जगहों पर रवाना किया गया था। इसी बीच संयुक्त टीम ने आपरेशन साइबर क्लीन के तहत आरोपी बिहार के नवादा निवासी दीपक कुमार, निशांत कुमार, राहुल कुमार सिंह व गोलू कुमार को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नगदी रकम 3 लाख 60 हजार सहित होल्ड रकम लगभग 3 लाख 50 हजार कुल 7 लाख 10 हजार रुपए व 7 नग मोबाइल, 11 एटीएम कार्ड, 1 एटीएम स्वाइप मशीन, 1 देशी पिस्टल जिंदा कारतूस सहित, 3 मैगजीन, वाईफाई, एक एक्स यूवी

300 वाहन जब्त किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक संतोष तिवारी, सहायक उपनिरीक्षक विवेक पांडेय, प्रधान आरक्षक सुधीर सिंह, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, महिला आरक्षक स्मिता रागिनी मिंज, आरक्षक विरेन्द्र पैकरा, बृजेश राय, अनुज जायसवाल, अंशुल शर्मा, वीरेंद्र पैकरा, मनीष सिंह, कुंदन सिंह, लालदेव, सत्येन्द्र दुबे, अमृत सिंह, अतुल शर्मा, संजीव चौबे, रविंद्र साहू, विजेंद्र कुमार, विकास मिश्रा, सुयश पैकरा, प्रवीन्द सिंह व अशोक यादव शामिल रहे।

इस तरह रेकी कर करते थे ठगी

साइबर सेल की तकनीकी सहायता के मदद से टीम आरोपियों को पकडने के लिए झारखंड एवं बिहार रवाना की गई थी। टीम द्वारा एटीएम कार्ड बदल कर ठगी की वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह को रांची, नवादा एवं गया जिले से वहां की वेशभूषा व बोलचाल का प्रयोग कर 4 आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पुलिस को बताया कि विगत वर्षों में छत्तीसगढ़ के सरगुजा, जशपुर, बलरामपुर, सूरजपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में घूम-घूम कर हथियारों से लैस होकर बिना गार्ड के एटीएम मशीन की रेकी कर वारदात को अंजाम देते थे।एटीएम से पैसा आहरित करने वाले लोगों को चिन्हित कर उन्हें झांसे में लेते थे, पुर उनका पिन नंबर एटीएम कार्ड बदल कर ठगी करते थे। उन्होंने बताया कि वे अपने पास रखे हुए स्वाइप मशीन के माध्यम से तत्काल स्वाइप कर या अलग-अलग जगह पर जाकर एटीएम से नगद पैसे निकाल कर आहरित कर लेते थे।

100 से अधिक जगहों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले

टीम द्वारा सभी ठगी के मामले में सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन किया गया एवं शहर के 100 से अधिक जगहों से कैमरे के फुटेज प्राप्त किया गया था। साइबर सेल की टीम द्वारा आरोपियों के प्राप्त फुटेज को दूसरे राज्यों के अपने सहयोगियों को शेयर कर जानकारी प्राप्त की गई थी।

साथ ही पृथक से उनके संबंध में तकनीकी जानकारी एकत्र कर टीम द्वारा सरगुजा जिले में हुई सभी घटनाओं में शामिल गिरोह के सम्बंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर आरोपी की गिरफ्तारी हेतु टीम रवाना किया गया था।

20 से अधिक जगहों पर कर चुके हैं ठगी

सरगुजा में अलग-अलग 8 जगहों एवं सरगुजा रेंज में कुनकुरी, बगीचा, जशपुर सहित अन्य जगह पर लगभग 20 से अधिक मामलों को अंजाम देना बताया। घटना को अंजाम देने के लिए आरोपियों ने अपने पास देशी पिस्टल रखना की भी बात स्वीकार की है, ताकि घटना के दौरान पकड़ जाने पर पिस्टल दिखाकर भाग सकें। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक देशी पिस्टल सहित जिंदा कारतूस एवं 3 मैगजीन भी बरामद किया है।

ईद उल अजहा की नमाज अदा कर मांगी अमन चैन की दुआ

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर, 10 जुलाई 2022(घटती-घटना)। ईद उल अजहा बकरीद का त्यौहार अकीदत के साथ मुस्लिम समाज द्वारा मनाया गया। रविवार को ईद उल अजहा के अवसर पर समाज के लोगों ने ईदगाह व मस्जिदों में नमाज अता करने के साथ ही अमन चैन की दुआ मांगी गई। मुस्लिम समाज द्वारा बकरीद के त्यौहार को लेकर लंबे समय से तैयारियां की जा रही थी। ईद उल अजहा को लेकर ईदगाह व मस्जिदों में कमेटियों द्वारा व्यापक पैमाने पर इंतजाम किए गए थे। कोरोना काल के बाद इस बार को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। ईद उल अजहा की नमाज को लेकर सुबह से ही समाज के लोग

ईदगाह व मस्जिदों में पहुंचने लगे थे। ईदगाह में पेश इमाम द्वारा बकरीद के बारे में जानकारी देने के साथ ही लोगों ईमान के रास्ते पर चलने आपसी भाईचारे की सीख दी। आज ईदगा में सुबह 9 बजे बकरीद की नमाज अता की गई। इस दौरान जामा मस्जिद के पेश इमाम अबरार अहमद द्वारा ईदगाह में ईद उल अजहा की नमाज पढ़ाई गई जबकि जामा मस्जिद में 9.15 बजे हाफिज व कारी असीमुद्दीन, तकिया शरीफ में सुबह 9 बजे मौलाना मोइन व केंद्रीय जेल में मौलाना दिलकश रजा ने नमाज पढ़ाई। वहीं शहर के रसूलपुर स्थित नाजमिया मस्जिद में सुबह 8 बजे मोहम्मद सगीर अहमद मिस्बाही, मोमिनपुरा में सुबह 8.30 बजे मौलाना काजिम ने नमाज पढ़ाई। नमाज के बाद समाज के लोगों ने अपने व परिवार के सुख समृद्धि के साथ ही देश में अमन चैन व भाईचारे की दुआ मांगी। ईद उल अजहा के मौके पर मुस्लिम समाज के लोगों ने एक दूसरे को गए मिलकर ईद की बधाई व शुभकामनाएं दी नमाज के बाद समाज के लोगों ने कब्रिस्तान में जाकर अपने परिवार के सदस्यों की कब्र पर फातिहा पढ़ने के बाद कुर्बानी की रस्म अता की गई। बकरीद को लेकर जिला व पुलिस प्रशासन द्वारा भी ईदगाह व कब्रिस्तान में व्यापक इंतजाम किए गए थे।

फुनगी पानी भरे खेत मे औंधे मुंह पड़ा मिला एक व्यक्ति का शव

-नगर संवाददाता-

उदयपुर 10 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। थाना क्षेत्र के ग्राम फुनगी में सबेर सिंह के खेत में गांव के ही धनेश्वर पैकरा उम्र 35 वर्ष का शव पानी भरे खेत मे औंधे मुंह पड़ा मिला।

ग्रामीणों द्वारा घटना कि सूचना उदयपुर पुलिस को मिलने पर थाना प्रभारी धीरेंद्र नाथ दुबे के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंची तथा शव को खेत से उठवा कर पंचनामा कार्यवाही के पश्चात उदयपुर हॉस्पिटल के मरचुरी में रखवा दिया गया है ।

मौत के मामले में थाना प्रभारी धीरेंद्र नाथ दुबे ने बताया कि ग्राम फुनगी में एक किसान के खेत मे मृतक धनेश्वर पैकरा का शव मिला है। मौत किन कारणों से हुई है इसका पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद चलेगा।

आकाशीय बिजली गिरने से 7 बकरा बकरियों की ग्राम मोहनपुर हुई मौत

-नगर संवाददाता-

उदयपुर 10 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। रविवार को दोपहर 3 बजे हुई जमकर बारिश के दौरान विकास खण्ड उदयपुर के ग्राम मोहनपुर में आकाशीय बिजली गिरने से राम सिंह और तीजन सिंह का 2- 2 तथा रनसाय के 3 कुल सात बकरा बकरियों की जंगल में मौत हो गई है।

सूने मकान से 5 लाख की चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर, 10 जुलाई 2022(घटती-घटना)। 3 से 10 जून के मध्य गांधीनगर थाना क्षेत्र के गंगापुर में एक महिला के सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने टैबलेट, सोने का हार, घड़ी सहित अन्य सामान पार कर दिया था। कुल चोरी 5 लाख रुपए की बताई गई थी। पुलिस ने इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी अपने घर में चोरी कर सामान छिपा कर रखा था। जिसे पुलिस ने जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार गाधीनगर थाना क्षेत्र के गंगापुर निवासी पूजा सिंह 3 जून को घर में ताला बंद कर बाहर गई थी। इस बीच 3 से 10 जून के बीच अज्ञात व्यक्ति द्वारा घर का ताला तोड़कर तोडकर टैबलेट, सोने का हार, घडी एवं अन्य सामान कुल 5 लाख रूपये का चोरी कर लिया गया था। पूजा ड्क्षसह ने इसकी रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई थी। पुलिस अज्ञात के खिलाफ धारा 457, 380 के तहत रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही थी। पता तलाश के दौरान मुखवीर से सूचना मिला कि सीसीटीवी फुटेज के हुलिया का आदमी पटपरिया में घुम रहा है जिसको पुलिस ने घेराबंदी कर हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह अपना नाम राम धनी पिता लालचन्द्र उम्र 24 वर्ष बताया। पूछताछ के दौरान वह चोरी की घटना का अंजाम देना स्वीकार किया। वह चोरी किए समान को अपने घर में छिपा कर रखा था। जिसे पुलिस ने जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक मो. कलीम खान, सउनि भुपेश सिंह, विवेक पाण्डेय, अभिषेक पाण्डेय, संतोष तिवारी आर अतुल सिंह, विकास सिंह समिनुल फिरदौसी, सतेन्द्र दुबे, अमृत सिंह, प्रविन्द सिंह, बृजेश राय, अमित विश्वकर्मा एवं थाना के अन्य स्टाफ भी सक्रिय रहे।

गौ सेवा मंडल सरगुजा के 5 वर्ष पूर्ण होने पर पशु जागरूकता अभियान चलाया गया

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर, 10 जुलाई 2022(घटती-घटना)। गौ सेवा मंडल के सफल पाँच वर्ष पुर्ण होने पर आर जी टॉवर बनारस रोड में पशु जागरूकता अभियान चलाया गया, और साथ ही आगे भी इस तरह के अभियान चलाने का निर्णय लिया गया, जिसमें मंडल की टीम शहर व आस पास के क्षेत्रों(गाँव) के विद्यालय, महाविद्यालय एवं पंचायतो में जाकर पशुओं के प्रति जागरूक किया जाएगा।

मंडल ने सदस्यों को जोड़ने व नए सदस्य जो काफी दिनों से जुड़कर सेवा कर रहे थे उनका पद विस्तार करते हुए, उनको निरन्तर सेवा भाव से आगे भी कार्य करने के लिए स्मृति

चिन्ह व पद देकर सम्मानित किया गया।

समाज व अन्य लोग जो मंडल से जुड़कर सहयोगकर्ता के रूप में मंडल का साथ व सहयोग देते आ रहे है उनको स्मृति चिन्ह व साल भेट कर सम्मान किया गया।

पशु चिकित्सालय के डॉक्टर व कर्मचारियों का समय समय पर साथ हमेशा बना रहा इसके लिए उनको भी स्मृति चिन्ह व साल से सम्मानित किया गया।

साथ ही लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ पत्रकारों ने भी समय समय पर हमारे कार्य को मीडिया के माध्यम से लोगो के बीच मे लाने का काम किया जिसके लिए उनको स्मृति चिन्ह व साल देकर सम्मान किया गया।

मंडल की टीम सूरजपुर, विश्रामपुर व जरही में संचालित है लेकिन बहुत जल्द हर जिले में मंडल का टीम घोषित किया जाएगा और साथ ही मंडल के पास खुद का शेल्टर कम अस्पताल भी जल्द ही शुभारंभ किया जाना है।

लोगों की समस्याओं का होगा त्वरित निराकरण

कलेक्टर कुंदन कुमार की अभिनव पहल पर 11 जुलाई सोमवार को एसडीएम/तहसील कार्यालयों में सोमवार को आयोजन किया जाएगा अनुभाग स्तरीय समाधान दिवस का

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर/लखनपुर, 10 जुलाई 2022(घटती-घटना)। सरगुजा कलेक्टर कुंदन कुमार द्वारा सरगुजा कलेक्टर का पदभार ग्रहण करते ही पहले दिन उनसे मिल कर अपनी समस्या बताने दूर-दूर के गांव से अपना आवेदन लेकर ग्रामीण पहुंचे थे जिसे देखते हुए कलेक्टर ने अभिनव पहल की शुरुआत की जिसके तहत अब ग्रामीणों को हर छोटे-मोटे काम के लिए अंबिकापुर कलेक्ट्रेट नहीं आना पड़ेगा कलेक्टर कुंदन कुमार ने अपनी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए सरगुजा के लोगों के हित में बड़ा कदम उठाते हुए प्रत्येक सोमवार अनुभाग स्तरीय समाधान दिवस का आयोजन करने का फैसला लिया था ताकि अपनी समस्याओं को लेकर लोगों को दूर कलेक्ट्रेट ना आना पड़े साथ ही उनके समय और पैसे की बचत हो और आसानी से उनकी समस्याओं का निराकरण हो सके जिसके तहत पिछले सोमवार 4 तारीख को अनुविभागीय स्तरीय समाधान दिवस का आयोजन किया गया था जिसमें जिले से कुल 647 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 496 आवेदनों का त्वरित निराकरण कर दिया गया था इस शिविर की मॉनिटरिंग खुद कलेक्टर कुंदन कुमार कर रहे हैं पिछले सोमवार उन्होंने अंबिकापुर और बतौली में आयोजित समाधान दिवस का निरीक्षण भी किया था अंबिकापुर उदयपुर एवं सीतापुर में आयोजित समाधान दिवस में 647 मांग 39 समस्याएं 11 शिकायत कुल 697 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 475 मांग 19 समस्या 2 शिकायतें कुल 496 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया था ठीक उसी तरह फिर आज सोमवार समाधान दिवस का अनुभाग स्तरीय आयोजन किया जायेगा जहाँ लोगो की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाएगा एस डी एम अम्बिकापुर प्रदीप साहू ने भी आम जनता से अपने पास के एसडीएम/ तहसील कार्यालय में पहुचकर अपनी समस्याओं को सामने रखने की अपील की है ।

CMYK

इस महीने से घट जाएगी महंगाई,आम आदमी को मिलेगी राहत

नई दिल्ली ,10 जुलाई 2022। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि वित्त वर्ष 2023 की दूसरी छमाही में भारत में मुद्रास्फीति (महंगाई) धीरे-धीरे कम होने की उम्मीद है। इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव में बोलते हुए, दास ने कहा, बाजार आपूर्ति के दृष्टिकोण से सही दिखाई दे रहा है और कई उच्च आवृत्ति संकेतक 2022-23 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में रिकवरी की ओर इशारा कर रहे हैं। हमारा वर्तमान आकलन यह है कि 2022-23 की दूसरी छमाही में महंगाई धीरे-धीरे कम हो सकती है।

भारत में महंगाई के इतिहास पर बात करते हुए, आरबीआई गवर्नर ने आगे कहा, 2022 की शुरुआत में महंगाई वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही तक चार प्रतिशत के लक्ष्य दर से काफी कम होने की उम्मीद थी, 2022-23 के लिए अनुमानित औसत महंगाई दर 4.5 प्रतिशत है।

आरबीआई गवर्नर ने यह भी कहा है कि वर्तमान दौर मुद्रास्फीति के ग्लोबलाइजेशन का है। पूरी दुनिया इससे प्रभावित हो रही है। आरबीआई गवर्नर दास ने कहा कि कोरोना महामारी से प्रभावित हुई अर्थव्यवस्था में सुधार होने लगा है मगर महंगाई अब भी एक बड़ी समस्या बनी हुई है और यह अब भी केंद्रीय बैंकों के अनुमानों के ऊपर है।

दास ने कहा, मैक्रो-इकनॉमिक और फाइनेंशियल स्टैबिलिटी बनाए रखने के लिए मूल्य स्थिरता जरूरी है। इसलिए केंद्रीय बैंक व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखने और इसे बढ़ावा देने के उपाय करेगा। हमारे नियंत्रण से परे कारक अल्पावधि में मुद्रास्फीति को प्रभावित कर सकते हैं, लेकिन

मध्यम अवधि में इसकी चाल मौद्रिक नीति द्वारा निर्धारित होगी।

उन्होंने आगे कहा, इसलिए, मौद्रिक नीति को मुद्रास्फीति को स्थिर करने के लिए समय पर कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि अर्थव्यवस्था को मजबूत स्थिति में और सतत वृद्धि की राह पर कायम रखा जा सके।

उन्होंने कहा कि 2022-23 के लिए व्यावसायिक पूर्वानुमानकर्ताओं के सर्वेक्षण से पांच प्रतिशत पर औसत मुद्रास्फीति अनुमान भी काफी सौम्य रहा।

उन्होंने कहा कि हालांकि, यह फरवरी 2022 से रूस-यूक्रेन युद्ध से आगे निकल गया, जिससे वैश्विक कच्चे तेल और अन्य कमोडिटी की कीमतों में तेज उछाल आया।

दास ने कहा, वैश्विक खाद्य कीमतें मार्च में ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गईं और उनका प्रभाव खाद्य तेल, फीड लागत और घरेलू गेहूं की कीमतों में महसूस किया गया। अभूतपूर्व गर्मी की लहर के कारण रबी गेहूं के उत्पादन में कमी ने गेहूं की कीमतों पर और दबाव डाला।

उनके अनुसार, आरबीआई का उद्देश्य अर्थव्यवस्था की रक्षा करना और वित्तीय स्थिरता को बनाए रखना है।

उन्होंने कहा, हमारा प्रयास सॉफ्ट लैंडिंग सुनिश्चित करने का रहा है। ये उद्देश्य आज भी हमारे कार्यों का मार्गदर्शन करते हैं और भविष्य में भी ऐसा ही रहेगा।

दास ने कहा कि वैश्वीकरण के लाभ कुछ जोखिमों और चुनौतियों के साथ आते हैं। जटिल आपूर्ति श्रृंखलाओं के माध्यम से दुनिया भर में खाद्य, ऊर्जा, वस्तुओं और महत्वपूर्ण आदानों की कीमतों पर आघात पहुंचाया जाता है।

टाटा के यात्री वाहन हुये महंगे

नई दिल्ली ,10 जुलाई 2022। वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी टाटा मोटर्स ने अपने यात्री वाहनों

की कीमतों में तत्काल प्रभाव से 0.55 प्रतिशत तक की बढोतरी करने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह बढोतरी प्रभावी हो गयी है। लागत बढने के मद्देनजर उसने वाहनों की कीमतों में यह बढोतरी की है। उसने कहा कि लागत बढने के बोझ को सहने की कोशिश की गयी है लेकिन कुछ अंश ग्राहकों पर भी कीमतों में बढोतरी के रूप में डाला गया है।

आरबीआई का एक्शन,बड़े बैंक पर लगाया बैन

नई दिल्ली ,10 जुलाई 2022। भारतीय रिजर्व बैंक ने रामगढिया को-ऑपरेटिव बैंक पर बिगड़ती वित्तीय स्थिति को देखते हुए प्रति जमाकर्ता 50 हजार रुपये की निकासी सीमा तय करने समेत कई प्रतिबंध लगा दिए हैं। हालांकि केंद्रीय बैंक ने कहा कि बैंक पाबंदियों के साथ संबंधित कामकाज जारी रखेगा।

आरबीआई ने बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट, 1949 के तहत निर्देश जारी करते हुए एक बयान में कहा कि को-ऑपरेटिव बैंक पर कारोबार बंद होने के बाद प्रतिबंध लागू किया गया है और यह अगले 6 महीने तक लागू रहेगा।

बैंक भारतीय रिजर्व बैंक की पूर्व मंजूरी के बिना कोई कर्ज प्रदान या रिन्यू नहीं कर सकता, न ही कोई निवेश कर सकता है और न ही नई जमा राशि स्वीकार कर सकता है। आरबीआई ने कहा कि विशेष रूप से सभी सेविंग्स बैंक अकाउट, करंट अकाउंट या जमाकर्ता के किसी अन्य अकाउंट्स में कुल जमा राशि में से 50,000 रुपये से अधिक निकालने की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

बता दें कि डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन इंश्योरेंस स्कीम के तहत बैंकों में जमा 5 लाख रुपये तक की राशि का इंश्योरेंस होता है। इस वजह से बैंक के दिवालिया होने या उसका लाइसेंस रद्द होने की स्थिति में कस्टमर्स को इतनी डिपॉजिट रकम राशि डूबने का खतरा नहीं रहता है। डीआईसीजीसी, रिजर्व बैंक की सब्सिडियरी है, जो बैंक जमा पर इंश्योरेंस कवर उपलब्ध कराती है।

स्पाइस एक्सप्रेस से अलग होगी स्पाइसजेट, अगस्त के पहले सप्ताह में पूरी होगी प्रक्रिया

नई दिल्ली, 10 जुलाई 2022। एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट अगस्त के पहले सप्ताह तक स्पाइस एक्सप्रेस से अलग हो सकती है। यह जानकारी रविवार को कंपनी के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने दी। उन्होंने बताया, बैंकों और शेयरधारकों ने स्पाइसजेट एयरलाइन से कार्गो और लॉजिस्टिक कंपनी स्पाइस एक्सप्रेस को अलग करने की मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि यह विभाजन अगस्त के पहले सप्ताह तक पूरा हो जाएगा।

दरअसल, स्पाइसजेट ने पिछले साल 17 अगस्त को कहा था कि वह कार्गो और लॉजिस्टिक सेवाओं की अपनी अनुषंगी कंपनी स्पाइस एक्सप्रेस को बिक्री के आधार पर अलग करेगी। कंपनी ने बताया कि इससे उसे स्वतंत्र रूप से धन जुटाने और तेजी से वृद्धि हासिल करने में मदद मिलेगी।

जांच के घेरे में है स्पाइसजेट

स्पाइसजेट इस समय नियामकीय जांच के घेरे में है। पांच दिन पहले एयरलाइन को नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, क्योंकि उसके विमानों में 19 जून से तकनीकी खराबी की कम से कम आठ घटनाएं हुई हैं। डीजीसीए ने कहा कि एयरलाइन सुरक्षित, कुशल और भरोसेमंद हवाई सेवाएं देने में विफल रही है। इस नोटिस का जवाब देने के लिए स्पाइसजेट को तीन सप्ताह का समय दिया गया है।

5 जी स्पेक्ट्रम की नीलामी में भाग लेगा अडानी

नयी दिल्ली ,10 जुलाई 2022। अडानी समूह ने इन चर्चाओं की पुष्टि की कि वह 5जी स्पेक्ट्रम खरीदने के लिए नीलामी में भाग लेगा। समूह ने यह भी स्पष्ट किया है कि उसने विभिन्न क्षेत्रों के लिए 5जी प्राइवेट नेटवर्क समाधान के लिए स्पेक्ट्रम खरीदने की तैयारी की है।

कंपनी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, हम हवाईअड्डा, बंदरगाह, लॉजिस्टिक, बिजली उत्पादन, संप्रेषण, वितरण तथा विनिर्माण के विभिन्न कार्यों में उच्च साइबर सुरक्षा वाले प्राइवेट नेटवर्क समाधान के लिए 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी में हिस्सा लेंगे।

अडानी समूह के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि आम उपभोक्ताओं के लिए मोबाइल संचार सेवाओं के कारोबार में प्रवेश करने की उनकी फिलहाल योजना नहीं है।

प्रवक्ता ने कहा,ऐसे समय जबकि भारत नीलामी के लिए अगली पीढ़ी की 5जी दूरसंचार सेवाएं शुरू करने की तैयारी में है। हम भी उन आवेदकों में हैं जो खुली नीलामी की प्रक्रिया में भाग ले रहे हैं।

अडानी समूह ने कहा है कि उसे यदि खुली नीलामी में 5जी स्पेक्ट्रम मिलता है तो वह अडानी फाउंडेशन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के कामों में निवेश में महत्वपूर्ण वृद्धि किए जाने की हाल की घोषणा के अनुरूप होगा। इनमे से प्रत्येक कार्य में 5जी प्रौद्योगिकी का लाभ मिलने वाला है।

अडानी समूह ने कहा, हम अपना डिजिटल प्लेटफॉर्म बना रहे हैं जिसमें सुपर एप्स, अग्रिम श्रेणी के डेटा केंद्र और औद्योगिक कमान एवं नियंत्रण केंद्रों की स्थापना कर रहे हैं। इनके अतिरिक्त हमें अपने सभी कारोबार में तीव्र गति की उच्च गुणवत्ता वाली डाटा स्ट्रीमिंग क्षमता की भी आवश्यकता होगी। अडानी समूह ने कहा है कि उसके सभी प्रयास राष्ट्र निर्माण की उसकी सोच और आत्मनिर्भर भारत के समर्थन के अनुरूप हैं।

5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी 26 जुलाई को होगी। इसमें भाग लेने के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि आठ जुलाई थी।

कीमती धातुओं में तेजी

मुंबई ,10 जुलाई 2022। वैश्विक बाजार की तेजी के असर से आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 136 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 100 रुपये प्रति किलोग्राम चढ़ गई।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 0.11 प्रतिशत बढ़कर 1741.59 डॉलर प्रति औंस पर रहा। वहीं, अमेरिका सोना वायदा 0.33 प्रतिशत उतरकर 1732.10 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। इस दौरान चांदी 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19.29 डॉलर प्रति औंस बोली गयी।

घरेलू स्तर पर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 136 रुपये की बढ़त लेकर 50757 रुपये प्रति दस ग्राम और सोना मिनी 102 रुपये चढ़कर 50791 रुपये प्रति दस ग्राम पर रहा। इस बीच चांदी 100 रुपये की तेजी के साथ 57039 रुपये प्रति किलोग्राम और चांदी मिनी 53 रुपये की मामूली बढ़त लेकर 57460 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

क्या शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं योगासन ?

कौन से अभ्यास को फायदेमंद मानते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ

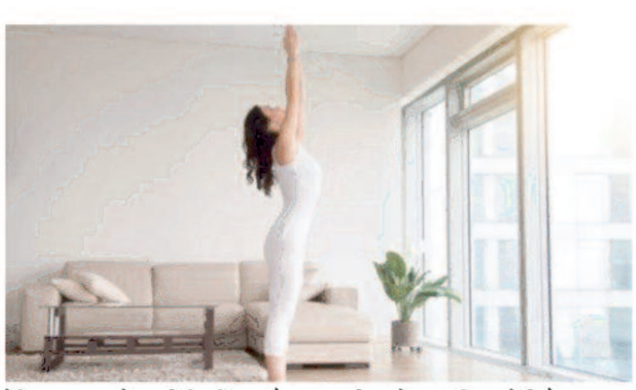

पुरातन काल से ही योगासनों का नियमित रूप से अभ्यास करके कई तरह के स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किए जाते रहे हैं। योग शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की सेहत को फिट बनाए रखने के साथ कई प्रकार की बीमारियों के जोखिम को कम करने में भी आपके लिए सहायक हो सकते हैं। योग के अभ्यास की आदत शारीरिक निष्क्रियता के जोखिम को कम करते हुए सेंडेंटरी लाइफस्टाइल की समस्याओं के खतरे को कम करने में भी सहायक है। विशेषज्ञ सभी उम्र के लोगों को दिनचर्या में योगाभ्यासों को शामिल करने की सलाह देते हैं।

योग, दीर्घकालिक तौर पर शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक माने जाते हैं। कई तरह के अभ्यास की आदत को रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर संक्रमण और बढ़ती बीमारियों के जोखिम को कम करने वाला भी माना जाता है। अध्ययनकर्ता बताते हैं कि नियमित रूप से योगाभ्यास करने वाले लोगों की जीवन प्रत्याशा भी अन्य लोगों की तुलना में अधिक होती है। आइए जानते हैं कि किन योगासनों को दिनचर्या में शामिल करके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर बीमारियों से सुरक्षित रहने में मदद मिल सकती है?

योगासनों को लेकर विशेषज्ञों की सलाह

योग विशेषज्ञ बताते हैं, कुछ योग मुद्राएं प्रतिरक्षा प्रणाली और शारीरिक संतुलन को बढ़ावा देने में मदद कर सकती हैं। यह ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में भी सहायक हैं जिन्हें कई प्रकार की बीमारियों के जोखिम को बढ़ाने वाला माना जाता है। यदि नियमित रूप से योग किया जाए तो यह शरीर के अंगों को स्वस्थ रखने, रक्त संचार को बढ़ावा देने, मांसपेशियों के अतिरिक्त तनाव को कम करने और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में काफी सहायक है।

बालासन योग की आदत

बालासन योग, जिसे चाइल्ड पोज के नाम से भी जाना जाता है, यह शरीर को स्वस्थ रखने में आपके लिए विशेष लाभप्रद हो सकता है। पीठ के निचले हिस्से से तनाव को मुक्त करने, थकान को कम करने और मूड को बेहतर बनाए रखने के लिए इस योग के नियमित अभ्यास को काफी लाभकारी माना जाता है। यह आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर बीमारियों से बचाने में सहायक अभ्यास है।

भुजंगासन का अभ्यास

भुजंगासन या कोबरा पोज आपके फेफड़ों को खोलने, रीढ़ को मजबूत करने और ऊर्जा को बढ़ावा देने में मददगार है। यह पाचन में सुधार करके पेट से संबंधित समस्याओं को कम करने में भी सहायक है। आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने के साथ हृदय-फेफड़ों से संबंधित समस्याओं के जोखिम को कम करने में भी इस अभ्यास के कई प्रकार के लाभ हो सकते हैं।

प्राणायाम सबसे लाभकारी

प्राणायाम का अभ्यास प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने का सबसे कारगर तरीका हो सकता है। यह रक्त में ऑक्सीजन की मात्रा को बढ़ाकर अंगों को स्वस्थ रखने, तनाव-चिंता को दूर करने और सेहत को फिट बनाए रखने में सहायक है। प्राणायाम का अभ्यास शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की सेहत को फिट बनाए रखने में आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

पढ़ने के बाद भी बच्चे को नहीं रहता याद, तो माता-पिता को अपनाने चाहिए ये टिप्स

हर अभिभावक चाहते हैं कि उनके बच्चे पढ़ लिख कर काबिल इंसान बनें। उज्वल भविष्य के लिए बच्चों की शिक्षा पर माता पिता विशेष ध्यान देते हैं। बच्चों को स्कूल में टीचर तो पढ़ाते ही हैं। माता पिता समय निकाल कर घर पर भी बच्चे को रिविजन कराते हैं। माता पिता प्रयास करते हैं कि उनके बच्चे को पूरा सिलेबस अच्छे से याद हो जाए। हालांकि परीक्षा के वक्त बच्चे बहुत अच्छे से पढ़ाए गए चैप्टर भी भूल जाते हैं और पेपर में कई प्रश्न छोड़कर चले आते हैं। अक्सर बच्चे को कितना भी अच्छे से पढ़ाओ लेकिन उसे पाठ याद ही नहीं होता। वह पढ़ाए जा चुके चैप्टर दोबारा पूछने या रिविजन कराने पर भूल जाता है। ऐसे में कई बार बच्चे की इस हरकत पर माता पिता या टीचर गुस्सा भी हो जाते हैं, साथ ही परीक्षा में नंबरों पर भी असर पड़ता है। अगर आपका बच्चा पढ़ाने के बाद जल्दी ही सिलेबस या चैप्टर भूल जाता है, तो उस पर गुस्सा न करें, बल्कि इन तरीकों से बच्चे के भूलने की समस्या को दूर करें।

बच्चे को रट्टा न लगवाएं

पढ़ाते समय ध्यान रखें कि बच्चे को विषय के बारे में समझाएं। अक्सर बच्चे जब विषय को समझ नहीं पाते तो उसे याद करने के लिए रट्टा लगाते हैं। रटने से बच्चा अच्छे नंबर तो ला सकता है, लेकिन विषय की समझ न होने से उसके ज्ञान का विस्तार नहीं होता। साथ ही अगर बच्चा रटा हुआ पाठ भूल जाता है तो वह परीक्षा में उस विषय पर एक लाइन भी खुद से नहीं लिख पाएगा। इसलिए बच्चे में विषय को समझने की आदत डालें, न कि रटने की।

जिंदगी से जोड़कर पढ़ाएं

विषय को याद कराने के लिए पढ़ाते समय उस विषय को बच्चे की जिंदगी से जोड़कर समझाएं। बच्चा जब खुद की लाइफ से चीजों को रिलेट करेगा तो उसे पाठ याद रहेगा। जैसे अक्सर इतिहास विषय में बच्चे तारीखे भूल जाते हैं। लेकिन अगर उनके जन्मदिन की तारीख से रिलेट करते इतिहास पढ़ाएंगे तो उन्हें तिथियां याद रहेंगी।

गाने की तरह याद कराएं

देखा जाता है कि बच्चों को कोई गाना पूरा पूरा याद होता है लेकिन वहीं जब पाठ याद करने की बात होती है तो वह भूल जाते हैं। इसलिए जब भी उन्हें कुछ याद कराएं तो कविता या गाने की तरह गाकर पढ़ाएं। साइंस, इंग्लिश और हिंदी आदि विषयों पर बच्चे को जब बच्चे किसी गाने की पंक्तियों के तौर पर सुनते और गुनगुनाते हैं, तो उन्हें पाठ याद रखना आसान हो जाता है।

आंखों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी है इन विटामिन्स का सेवन,क्या आपके आहार में है इनकी मात्रा ?

हमारी आंखें शरीर के सबसे नाजुक अंगों में से एक मानी जाती हैं, ऐसे में इनके विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है। आंखों की बाहरी सुरक्षा के साथ इन्हें पर्याप्त मात्रा में अंदुरूनी पोषण भी चाहिए होता है। इसके लिए नियमित रूप से पौष्टिक आहार के सेवन की आवश्यकता होती है। आहार में कुछ विशेष प्रकार के विटामिन्स और खनिज, आंखों को स्वस्थ बनाए रखने के साथ लंबे समय तक रोशनी को बनाए रखने में सहायक होते हैं। इन्हीं विटामिन्स और पोषक तत्वों में कमी को उम्र के साथ आंखों की रोशनी कम होने के प्रमुख कारण के तौर पर जाना जाता है। इस बारे में सभी लोगों को सतर्कता बरतते रहने की आवश्यकता होती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, डायबिटिक रेटिनोपैथी, ग्लूकोमा और मोतियाबिंद जैसी सामान्य स्थितियां आपकी आंखों को प्रभावित कर सकती हैं। इनसे बचाव के उपाय करते रहना आवश्यक होता है। अगर हम अपने दैनिक आहार को ही ठीक कर लें तो आंखों से संबंधित कई तरह की गंभीर समस्याओं के जोखिम को कम किया जा सकता है।

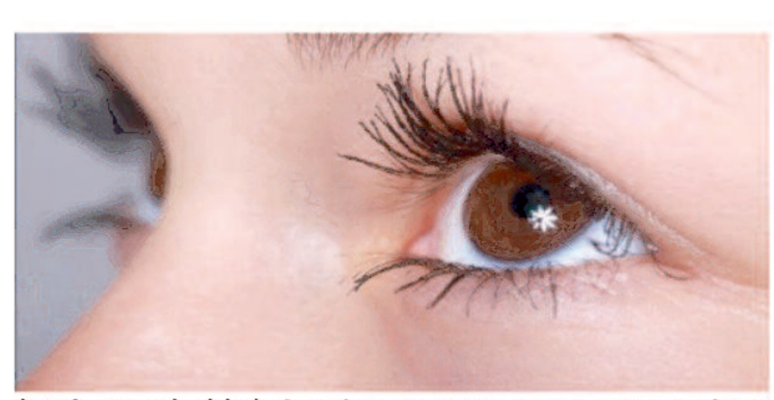

सबसे खास बात आंखों से संबंधित समस्या किसी भी उम्र में हो सकती है, ऐसे में सभी आयु वाले लोगों के लिए उचित पोषण और आंखों की देखभाल करते रहना आवश्यक है। आइए जानते हैं कि आंखों को स्वस्थ रखने के लिए कौन-कौन से विटामिन्स सबसे आवश्यक माने जाते हैं?

विटामिन-ए का सेवन

विटामिन-ए, आंखों के लिए सबसे आवश्यक पोषक तत्वों में से एक है जो कॉर्निया को स्वस्थ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस विटामिन को रोडोप्सिन का एक घटक माना जाता है, रोडोप्सिन आंखों में एक मौजूद प्रोटीन जो आपको कम रोशनी में देखने की सुविधा देता है। पत्तेदार हरी सब्जियां, गाजर, शकरकंद, कद्दू, टमाटर, लाल शिमला मिर्च, खरबूजा और आम से इसे आसानी से प्राप्त किया जा सकता है।

विटामिन ई वाली चीजों का सेवन

विटामिन-ए की ही तरह आंखों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए विटामिन-ई वाली चीजों का सेवन करते रहना भी बहुत आवश्यक माना जाता है। माना जाता है कि आंखों से संबंधित कई समस्याएं ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से जुड़ी होती है। विटामिन-ई शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट है जो आपकी कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस के कारण होने वाली समस्याओं से सुरक्षित रखने में सहायक है। सूरजमुखी और सरसों का तेल, बादाम, मूंगफली, चुकंदर और पालक में इसकी पर्याप्त मात्रा पाई जाती है।

विटामिन-सी भी जरूरी

विटामिन ई की तरह, विटामिन सी भी शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट है जो आपकी आंखों को हानिकारक मुक्त कणों से बचा सकता है। आंखों को स्वस्थ रखने और कई तरह की समस्याओं के जोखिम को कम करने में इस विटामिन वाली चीजों का नियमित सेवन करना फायदेमंद माना जाता है। खट्टे फल जैसे संतरे और नींबू, काली मिर्च, स्ट्रॉबेरीज, ब्रोकली आदि के सेवन से इसकी पूर्ति की जा सकती है।

विटामिन बी6 और बी9

आंखों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए शोधकर्ता विटामिन बी6, बी9 वाली चीजों के सेवन पर भी जोर देते हैं। विटामिन का यह संयोजन होमोसिस्टीन के स्तर को कम कर सकता है। होमोसिस्टीन, शरीर में मौजूद एक प्रोटीन है जिसकी अधिकता सूजन और एज रिलेटेड मैक्युलर डिजनरेशन विकसित होने का खतरा बढ़ सकती है। मछली, मूंगफली, सोयाबीन, गेहूं और जई आदि से इन विटामिन्स की पूर्ति की जा सकती है।

एक्शन में राष्ट्रपति राजपक्षे-गैस वितरण का दिया आदेश, सर्वदलीय सरकार के गठन के लिए विपक्षी दलों की बैठक जल्द

कोलंबो, 10 जुलाई 2022। श्रीलंका में प्रदर्शनकारियों का प्रदर्शन उग्र होता जा रहा है। सभी प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति भवन को अपने कब्जे में ले लिया है। इन सभी का कहना है कि बदलाव के जिस वक्त का हम इंतजार कर रहे थे, वो आ गया है। वहीं इन सब के बीच राष्ट्रपति ने 13 जुलाई को इस्तीफा देने का एलान कर दिया है। इतना ही नहीं बढ़ती हिंसा को देखते हुए प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने पहले ही इस्तीफा दे दिया।

इस बीच श्रीलंका के मुख्य विपक्षी दल सर्वदलीय सरकार की स्थापना पर आम सहमति बनाने के लिए रविवार को एक विशेष पार्टी बैठक बुला सकते हैं। मुख्य विपक्ष समागी जन बालवेगया (एसजेबी) और उसके घटक दलों की बैठक में विपक्ष के नेता साजिथ प्रेमदासा, श्रीलंका मुस्लिम कांग्रेस के नेता रऊफ हकीम, तमिल प्रगतिशील गठबंधन के नेता मनो गणेशन और ऑल सीलोन मक्कल कांग्रेस के नेता शामिल होंगे।

इससे पहले उभरती राजनीतिक स्थिति पर चर्चा के लिए रविवार को राष्ट्रीय स्वतंत्रता मोर्चा सहित नौ दलों के नेताओं की एक और बैठक की योजना बनाई गई थी। श्रीलंका की कम्युनिस्ट पार्टी के उपाध्यक्ष वीरासुमना वीरसिंघे ने कहा कि सर्वदलीय सरकार को लेकर लंबी चर्चा होगी।

इस बीच राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे ने अधिकारियों को आदेश दिया है कि ईंधन की कमी वाले देश को रसोई गैस का सुचारू वितरण सुनिश्चित किया जाए। दरअसल, एलपी गैस की 3,700 मीट्रिक टन मात्रा श्रीलंका पहुंचने वाली है। राष्ट्रपति राजपक्षे ने अधिकारियों को गैस की अनलोडिंग और वितरण का काम करने का निर्देश दिया है। गैस का पहला जहाज रविवार को केरावलपिटिया पहुंचने वाला है। श्रीलंकाई मीडिया के अनुसार, 3,740 मीट्रिक टन गैस ले जाने वाला दूसरा जहाज 11 जुलाई को है और तीसरा 3,200 मीट्रिक टन गैस के साथ 15 जुलाई को आएगा।

राष्ट्रपति गोतबया के घर से मिले करोड़ों रुपये

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को श्रीलंका में सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति गोतबया राजपक्षे के आधिकारिक आवास पर धावा बोलकर उनकी हवेली के अंदर करोड़ों रुपये बरामद करने का दावा किया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया जा रहा है जिसमें प्रदर्शनकारियों को बरामद किए गए नोटों की गिनती करते हुए दिखाया गया है। डेली मिरर अखबार ने बताया कि बरामद धन को सुरक्षा इकाइयों को सौंप दिया गया था। दैनिक की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने सूचित किया है कि वे प्रासंगिक तथ्यों की जांच के बाद जमीनी स्थिति की घोषणा करने के लिए कदम उठाएंगे।

अभी तक शरणार्थियों से संबंधित कोई समस्या नहीं- एस जयशंकर

श्रीलंका में चल रहे प्रदर्शन को लेकर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि हम श्रीलंका को लेकर बहुत सहायक रहे हैं। हम मदद की कोशिश कर रहे हैं। वे अपनी समस्या पर काम कर रहे हैं। अभी तक शरणार्थियों से संबंधित कोई समस्या नहीं है।

कांग्रेस इस गंभीर संकट की घड़ी में श्रीलंका के साथ सोनिया गांधी

कांग्रेस की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने श्रीलंका संकट को लेकर अपना बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस गंभीर संकट की घड़ी में श्रीलंका और उसके लोगों के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करती है और आशा करती है कि वे इससे उबरने में सक्षम होंगे। हमें उम्मीद है कि भारत श्रीलंका के लोगों और सरकार की सहायता करना जारी रखेगा क्योंकि वे मौजूदा स्थिति की कठिनाइयों से निपटते हैं।

श्रीलंकन पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया

श्रीलंकन पुलिस ने प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे के निजी आवास में आग लगाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

राष्ट्रपति का पता नहीं, प्रदर्शनकारियों ने शुरू की तलाश

प्रदर्शनकारियों के डर से राष्ट्रपति गोतबाया कल रात आर्मी हेडक्वार्टर में छिप गए थे लेकिन मीडिया रिपोर्ट के अनुसार आज सुबह उन्होंने वहां से भी अपना ठिकाना बदल लिया है। फिलहाल उनका पता नहीं चल रहा है आखिर वे छिपे कहां हैं। हालांकि, प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति को हर जगह खोज रहे हैं।

श्रीलंका सरकार के दो मंत्रियों ने दिया इस्तीफा

हिंसक प्रदर्शन के बीच श्रीलंका सरकार के दो मंत्रियों हरिन फर्नांडो और मानुषा ननायाक्करा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

श्रीलंका के सेना प्रमुख ने लोगों से की ये अपील

श्रीलंका के सेना प्रमुख जनरल शैवेंद्र सिल्वा ने रविवार को कहा कि मौजूदा राजनीतिक संकट को शांतिपूर्ण तरीके से हल करना चाहिए। उन्होंने लोगों से मुद्दे को एकजुट होकर हल करने की मांग की है।

अमेरिका ने श्रीलंका के नेताओं से की ये अपील

अमेरिका ने श्रीलंका के नेताओं से आर्थिक स्थिरता हासिल करने के लिए जल्दी से कोई बड़ा कदम उठाने के लिए कहा है। विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा कि किसी भी नई सरकार को उन समाधानों की पहचान करने और उन्हें लागू करने के लिए तेजी से काम करना चाहिए जो दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता प्राप्त करेंगे और श्रीलंका के लोगों के असंतोष को दूर करेंगे।

प्रदर्शनकारियों ने कोलंबो में प्रधानमंत्री के निजी आवास में लगाई आग

सात दशकों में देश के सबसे खराब आर्थिक संकट पर गुस्सा तेज होने के बीच शनिवार को हजारों प्रदर्शनकारियों ने श्रीलंका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास पर धावा बोल दिया और कोलंबो में प्रधानमंत्री के निजी आवास में आग लगा दी।

बेलआउट पैकेज को लेकर आईएमएफ ने दिया भरोसा

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा कि वह श्रीलंका की राजनीतिक उथल-पुथल के समाधान की उम्मीद कर रहा है जो विरोध के हिंसक होने के बाद बेलआउट पैकेज के लिए बातचीत फिर से शुरू करने की अनुमति देगा। आईएमएफ ने एक बयान में कहा हम मौजूदा स्थिति के समाधान की उम्मीद करते हैं जो आईएमएफ समर्थित कार्यक्रम पर हमारी बातचीत को फिर से शुरू करने की अनुमति देगा।

भारत ने संकटग्रस्त श्रीलंका को दिया 44,000 टन यूरिया

भारत ने भीषण आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका को ऋण सुविधा के तहत 44,000 टन से अधिक यूरिया मुहैया कराया है। भारतीय उच्चायोग ने यहां बताया कि श्रीलंका के किसानों को समर्थन और खाद्य सुरक्षा के लिए द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए जारी प्रयासों की तहत यह मदद दी गई है। श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त गोपाल बागले ने कृषि मंत्री महिंदा अमरवीरा से मुलाकात कर उन्हें 44,000 टन से अधिक यूरिया आने की जानकारी दी।

जोहान्सबर्ग के बार में बंदूकधारी का तांडव,14 लोगों को उतारा मौत के घाट,10 से अधिक जख्मी

जोहान्सबर्ग , 10 जुलाई 2022। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग के सोवेटो टाउनशिप के पास स्थित एक बार में हमलावर ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर14 लोगों को मौत के घाट उतार दिया। 10 से अधिक लोगों के जख्मी होने की भी खबर है। वहीं गोलियां चलाने के बाद बंदूकधारी सफेद रंग की टोयोटा क्वांटम मिनीबस में सवार होकर फरार हो गए। पुलिस अधिकारी ने घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वारदात को शनिवार देर रात अंजाम दिया गया। उन्होंने कहा कि सूचना मिलने के बाद जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो उस समय तक 12 लोगों की मौत हो चुकी थी और दो लोगों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया लेकिन जान नहीं बचाई जा सकी जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई।

मरने वालों की उम्र 19 से 35 साल के बीच

एक अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक मरने वालों की उम्र 19 से 35 साल के बीच है। वहीं ऑरलैंडो पुलिस स्टेशन के कमांडर ब्रिगेडियर नॉनहलानहला कुबेका ने कहा कि हर स्तर से जांच की जा रही है। हमलावरों को जल्द से जल्द पकड़ने की कोशिश रहेगी।

बार में मस्ती करने आए लोगों के शव फर्श पर पड़े हुए

इस हमले के कुछ वीडियो फुटेज भी सामने आए हैं जिसमें बार में मस्ती करने आए लोगों के शव फर्श पर पड़े हुए दिख रहे हैं। लोगों अपनी जान बचाने के लिए इधर से उधर भाग रहे थे। कई लोग हमलावर से जिंदगी की भीख मांग रहे थे लेकिन हमलावर का दिल नहीं पिघला और ताबड़तोड़ गोलियां बरसाते रहे।

श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने भी दिया इस्तीफा

कोलंबो ,10 जुलाई 2022। श्रीलंका के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। आर्थिक हालात से त्रस्त जनता ने शनिवार को राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के आवास पर कब्जा कर लिया। प्रदर्शनकारियों ने राजपक्षे के आधिकारिक आवास पर घुसकर जमकर तोडफ़ोड़ भी की। उधर, रैली के दौरान श्रीलंका की पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प हो गई। जिसमे लगभग 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए।

श्रीलंका में 9 का फेरःराजपक्षे परिवार के लिए क्यों काल बनी यह तारीख,अप्रैल से हर महीने इसी दिन क्यों हुआ बवाल ?

कोलंबो, 10 जुलाई 2022। श्रीलंका इन दिनों गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। देश की जनता सड़कों पर उतर कर विरोध-प्रदर्शन कर रही है। श्रीलंका के लिए नौ तारीख एक मुसीबत की तरह बन गई है। पिछले चार महीने से लगातार नौ तारीख इस देश के लिए नई मुसीबत लेकर आ रहा है।

सबसे पहले राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के कार्यालय के सामने उनके इस्तीफे की मांग को लेकर नौ अप्रैल को विरोध-प्रदर्शन शुरू हुआ था। इसके बाद नौ मई को तत्कालीन श्रीलंकाई प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद नौ जून को वित्तमंत्री बासिल राजपक्षे ने इस्तीफा दिया और अब नौ जुलाई को गोटबाया राजपक्षे के साथ-साथ नए प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने भी अपने पद से इस्तीफे का एलान कर दिया।

नौ तारीख को ही हुए बड़े फैसले

श्रीलंका में आर्थिक संकट बढ़ने के बाद पहला सबसे बड़ा राजनीतिक परिवर्तन नौ मई को हुआ था। इस दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने अपने कार्यालय से इस्तीफा दे दिया था। एक महीने बीतते-बीतते वित्तमंत्री बासिल राजपक्षे को भी अपने पद से हाथ धोना पड़ा। इसके बाद नौ जुलाई यानी शनिवार को तो सारी सीमाएं ही टूट गईं। नौ जुलाई को श्रीलंकाई राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को अपना आवास छोड़कर जाना पड़ा और उन्होंने अपने इस्तीफे का एलान कर दिया। वहीं शाम होते-होते श्रीलंकाई प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने भी सशर्त इस्तीफा देने की बात कही। इसी बीच विक्रमसिंघे कैबिनेट के दो मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया। हरिन फर्नांडो और मानुष नानायक्कारा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे 13 जुलाई को इस्तीफा देंगे

श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे 13 जुलाई को अपना इस्तीफा सौंप देंगे। श्रीलंका की संसद के अध्यक्ष महिंदा यापा अभयवर्धने ने शनिवार रात को यह जानकारी दी। अभयवर्धने ने शनिवार शाम को हुई सर्वदलीय नेताओं की बैठक के बाद उनके इस्तीफे के लिए पत्र लिखा था, जिसके बाद राष्ट्रपति राजपक्षे ने इस फैसले के बारे में संसद अध्यक्ष को सूचित किया। अभयवर्धने ने बैठक में लिए गए निर्णयों पर राजपक्षे को पत्र लिखा।

पार्टी के नेताओं ने राजपक्षे और प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के तत्काल इस्तीफे की मांग की थी जिससे कि संसद का उत्तराधिकारी नियुक्त किए जाने तक अभयवर्धने के कार्यवाहक राष्ट्रपति बनने का मार्ग प्रशस्त हो सके। विक्रमसिंघे पहले ही इस्तीफा देने की इच्छा जता चुके हैं। राजपक्षे ने अभयवर्धने के पत्र का जवाब देते हुए कहा कि वह 13 जुलाई को पद छोड़ देंगे।

अब तक का सबसे बड़ा विरोध

राष्ट्रपति व पीएम के घर में प्रदर्शनकारियों का इस तरह घुसना श्रीलंका में अब तक का सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन है। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति सचिवालय का ताला तोड़कर उसमें भी हंगामा किया। इसके अलावा गाले, कैंडी और मतारा में प्रदर्शनकारियों ने रेलवे अधिकारियों से भी झड़प की और उन्हें कोलंबो तक की ट्रेन चलाने के लिए मजबूर किया। पूरे इलाके में बड़ी तादाद में पुलिस, स्पेशल टास्क फोर्स और सेना को तैनात किया गया है।

श्रीलंका में विदेशी मुद्रा की कमी

श्रीलंका एक अभूतपूर्व आर्थिक उथल-पुथल का सामना कर रहा है। 2.2 करोड़ लोगों की आबादी वाला देश सात दशकों में सबसे खराब दौर से गुजर रहा है। श्रीलंका में विदेशी मुद्रा की कमी है, जिससे देश ईंधन और अन्य आवश्यक वस्तुओं के जरूरी आयात के लिए भुगतान कर पाने में असमर्थ हो गया है।

12 जुलाई को होगा शिंजो आबे का अंतिम संस्कार, श्रद्धांजलि देने जापान जाएंगे अमेरिकी विदेश मंत्री

वाशिंगटन , 10 जुलाई 2022। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की शुक्रवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना उस वक्त हुई जब आबे जापान के नारा शहर में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। वहीं अब आबे को दुनिया के कई देशों में श्रद्धांजलि दी जा रही है। इसी क्रम में अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन भी श्रद्धांजलि देने के लिए अगले सप्ताह जापान जाएंगे। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। ब्लिंकन सोमवार को तोक्यो जाएंगे और आबे को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और जापान के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। ब्लिंकन एशिया के दौरे पर हैं और अब उनका दौरा समाप्त हो रहा है।

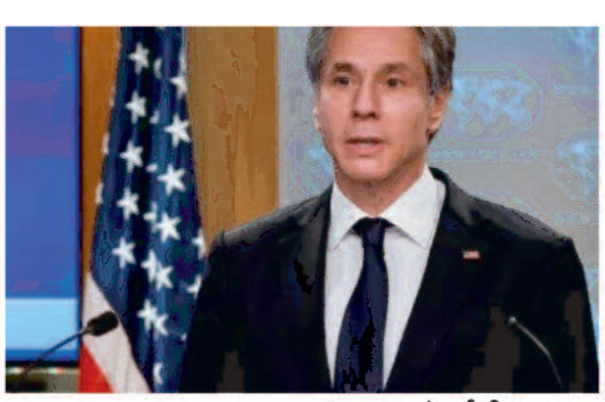

शुक्रवार को हुई थी हत्या

पूर्व पीएम शिंजो आबे स्थानीय समयानुसार शुक्रवार सुबह 11:30 बजे नारा शहर में काउंसलर चुनाव के लिए भाषण दे रहे थे। यह रैली नारा शहर के यमातोसैदाईजी स्टेशन के पास आयोजित की गई थी। उसी दौरान हमलावर ने दो गोली चलाई जिससे आबे घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। आनन-फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई। इस घटना में कुछ और लोग घायल बताए जा रहे हैं। पूर्व पीएम शिंजो आबे को पीठ में गोली लगी। अस्पताल में तीन घंटे तक उनका इलाज चला, लेकिन उनकी जान नहीं बच पाई।

दस मिनट के अंदर मारी थी गोली

द जापान टाइम्स के रिपोर्ट योमिउरी शिंबुन घटना के वक्त मौके पर ही थे। उन्होंने मीडिया को बताया कि पूर्व पीएम शिंजो आबे कार्यक्रम स्थल पर 11 बजकर 20 मिनट पर पहुंचे थे। जैसे ही वह लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के काउंसलर उम्मीदवार का परिचय देने लगे, पीछे से एक युवक ने फायर कर दिया। उस वक्त तेज आवाज सुनाई दी। युवक के पास लंबी ट्यूब जैसा कोई हथियार था।

पीएम विक्रमसिंघे ने किया इस्तीफे का एलान,सर्वदलीय सरकार का रास्ता साफ

कोलंबो , 10 जुलाई 2022। श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने पद से इस्तीफा का एलान कर दिया है। आर्थिक संकट के बीच विक्रमसिंघे ने इसी साल 12 मई को श्रीलंका के प्रधानमंत्री का पद संभाला था। उनसे पहले महिंद्रा राजपक्षे देश के प्रधानमंत्री थे। विक्रमसिंघे को 59 दिन के भीतर ही प्रधानमंत्री का पद छोड़ने का एलान करना पड़ा है। उन्होंने ट्वीट किया, सभी नागरिकों की सुरक्षा सहित सरकार की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए मैं आज पार्टी नेताओं की सर्वदलीय सरकार के लिए रास्ता बनाने की सबसे अच्छी सिफारिश को स्वीकार करता हूं। इसे सुगम बनाने के लिए मैं प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दूंगा।

दो मंत्रियों ने दिया इस्तीफा

इसी बीच विक्रमसिंघे कैबिनेट के दो मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया। हरिन फर्नांडो और मानुष नानायक्कारा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

विक्रमसिंघे ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति को सूचित किया है कि एक सर्वदलीय सरकार का गठन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में ईंधन का संकट है, भोजन की कमी है और विश्व खाद्य कार्यक्रम निदेशक देश में आने वाले हैं। जब सरकार इस्तीफा देती है, तो यह आवश्यक है कि एक और सरकार स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कार्यभार ग्रहण करने के लिए तैयार हो। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि आईएमएफ की चर्चा जैसे आर्थिक सुधार में बाधा न आए।

पीएमओ के मुताबिक, विक्रमसिंघे ने सुरक्षाकर्मियों द्वारा चल रहे विरोध प्रदर्शनों को कवर कर रहे पत्रकारों पर हमले पर गहरा खेद व्यक्त किया। श्रीलंका में लोकतंत्र के लिए मीडिया की आजादी सर्वोपरि है। उन्होंने सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों दोनों से किसी भी हिंसा को रोकने और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संयम से काम लेने का अनुरोध किया है।

बता दें कि श्रीलंका अभी अपनी आजादी (1948) के बाद से सबसे बड़े आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। उस पर कुल 51 बिलियन अमेरिकी डॉलर का विदेशी कर्ज है। द्वीप देश को अभी प्रतिवर्ष 4 बिलियन अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता है।

आर्थिक संकट के चलते श्रीलंका के आम लोगों को महंगाई, ईंधन, स्वास्थ्य समेत सभी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। रानिल विक्रमसिंघे से पहले महिंद्रा राजपक्षे देश के प्रधानमंत्री थे। देश के अलग-अलग हिस्सों में भारी विरोध के बाद उन्हें अपनी कुर्सी छोड़नी पड़ी थी। गुस्साई भीड़ ने उनके पुस्तैनी घर को भी आग के हवाले कर दिया था। यही नहीं उनकी सरकार के कई मंत्रियों को भी आग के हवाले कर दिया गया था।

वहीं तमाम विरोध प्रदर्शनों के बावजूद महिंद्रा राजपक्षे के भाई गोटबया राजपक्षे अभी राष्ट्रपति की कुर्सी पर बने हुए हैं। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबया राजपक्षे 2019 में भारी बहुमत से राष्ट्रपति चुने गए थे। उसके पहले उसी साल ईस्टर के मौके पर देश में भयानक आतंकवादी हमले हुए थे।

इस हमले से बने माहौल के बीच राजपक्षे ने देश की बहुसंख्यक सिंहली बौद्ध आबादी की सुरक्षा मजबूत करने का वादा किया था। लेकिन आर्थिक मोर्चे पर उनका प्रशासन पूरी तरह नाकाम रहा। इसी बीच कोरोना महामारी आ गई, जिससे पर्यटन ठप हो गया। उसका श्रीलंका के विदेशी मुद्रा भंडार में बहुत खराब असर पड़ा।

कौन हैं रानिल विक्रमसिंघे

श्रीलंका के प्रधानमंत्री पद छोड़ने वाले रानिल विक्रमसिंघे अपनी पार्टी के इकलौते सांसद हैं। उन्होंने पांचवी बार श्रीलंका की सत्ता संभाली थी। श्रीलंका के एक वकील से राजनेता बने विक्रमसिंघे 45 वर्षों से संसद में हैं। अपनी पार्टी यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) की अगस्त 2020 के आम चुनाव में हुई करारी हार और एक भी सीट जीतने में विफल रहने के लगभग दो साल बाद उन्होंने सत्ता में वापसी की थी।

73 वर्षीय नेता को भारत का करीबी माना जाता है, उन्हें देश में सबसे खराब आर्थिक संकट के बीच राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे द्वारा श्रीलंका के 26वें प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें राजनीतिक हलकों में एक ऐसे व्यक्ति के रूप में स्वीकार किया जाता था जो दूरदर्शी नीतियों के साथ अर्थव्यवस्था का प्रबंधन कर सकता है।

भारत के साथ संबंध

अपने साढ़े चार दशक के राजनीतिक जीवन के दौरान कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। उन्होंने श्रीलंका के नजदीकी पड़ोसी भारत के साथ एक व्यक्तिगत संबंध बनाया और प्रधानमंत्री के रूप में अपने पिछले कार्यकाल के दौरान चार अवसरों - अक्टूबर 2016, अप्रैल 2017, नवंबर 2017 और अक्टूबर 2018 में देश का दौरा किया। इसी अवधि के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका की दो यात्राएं कीं और उन्होंने विक्रमसिंघे के एक व्यक्तिगत अनुरोध पर भी कार्रवाई की जो श्रीलंका को 1990 एम्बुलेंस प्रणाली स्थापित करने में मदद करने में कोविड 19 के दौरान बेहद मददगार साबित हुई।

भारत के साथ समझौते का समर्थन किया था

तत्कालीन राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना के विरोध के बावजूद विक्रमसिंघे ने कोलंबो बंदरगाह के पूर्वी टर्मिनल पर भारत के साथ समझौते का समर्थन किया था, जिसे राजपक्षे ने 2020 में खारिज कर दिया था। उनकी पार्टी यूएनपी देश की सबसे पुरानी पार्टी है जो 2020 संसदीय में एक भी सीट जीतने में विफल रही थी। वह 1977 के बाद पहली बार बिना सीट के रह गए थे, लेकिन बाद में संचयी राष्ट्रीय वोट के आधार पर यूएनपी को आवंटित एकमात्र राष्ट्रीय सूची के माध्यम से वह संसद पहुंच गए।

पहली बार 1993-1994 तक रहे प्रधानमंत्री

उनके डिप्टी साजिथ प्रेमदासा ने अलग होकर समागी जन बालवेगया (एसजेबी) का नेतृत्व किया और मुख्य विपक्ष बन गए। श्रीलंका के पहले कार्यकारी राष्ट्रपति जूनियस जयवर्धने के भतीजे विक्रमसिंघे को राष्ट्रपति रणसिंघे प्रेमदासा की हत्या के बाद पहली बार 1993-1994 तक प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था। उन्हें 2001-2004 तक प्रधानमंत्री के रूप में भी चुना गया था जब 2001 में संयुक्त राष्ट्रीय मोर्चा सरकार ने आम चुनाव जीता था। लेकिन चंद्रिका कुमारतुंगा द्वारा जल्दी चुनाव कराने के बाद 2004 में उन्होंने सत्ता खो दी।

बैकुंठपुर व शिवपुर चरचा में एल्डरमैन मनोनयन को लेकर उपजा कांग्रेसियों में ही आक्रोश

- » विधायक ने अपने पसंद के लोगों को मनोनीत किया नगरपालिकाओं में एल्डरमैन।
- » दो साल पहले मनोनीत किये गए एल्डरमैन हटाकर नए एल्डरमैन किये मनोनित।
- » एल्डरमैन मनोनयन करते समय वरिष्ठता का भी नहीं रखा गया ख्याल,आरोप।
- » संगठन को भी नहीं लिया गया एल्डरमैन मनोनयन के दौरान विश्वास में,सूत्र।
- » कुछ को नगरपालिका चुनाव में कांग्रेस पार्टी के घोषित प्रत्याशी के समर्थन में नाम वापसी का मिला इनाम।
- » कार्यकाल भी पूरा नहीं कर सके पूर्व मनोनित कांग्रेस पार्टी के ही एल्डरमैन।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 10 जुलाई 2022(घटती-घटना)। कोरिया जिले के दो नगरपालिकाओं में एल्डरमैन मनोनयन को लेकर कांग्रेस पार्टी के ही पदाधिकारियों एवम कार्यकर्ताओं में आक्रोश उत्पन्न हो गया है ऐसी खबरें सामने आ रहीं हैं। पूरे मामले को लेकर जो खबरें सामने आ रहीं हैं उसके अनुसार बैकुंठपुर व शिवपुर चरचा नगरपालिकाओं में दो वर्ष पूर्व सत्ताधारी दल कांग्रेस की तरफ से एल्डरमैन नियुक्त किये गए थे और अभी उनका कार्यकाल पूरी तरह से दो वर्ष का भी पूर्ण नहीं हो सका था और इसके बावजूद उनकी जगह नए एल्डरमैन नियुक्त कर दिए गए जिससे बताया जा रहा है कि अब कांग्रेस पार्टी के ही बैकुंठपुर व शिवपुर चरचा नगरपालिका अंतर्गत आने वाले पदाधिकारी व कार्यकर्ता नाराज हैं आक्रोशित हैं क्योंकि जिन्हें हटाकर नए मनोनयन को मंजूरी दी गई उनका कार्यकाल कम से कम पांच वर्ष का होने देना चाहिए था ऐसा पार्टी के ही लोगों का मानना है या फिर नए मनोनयन के दौरान उनके भी नामों पर विचार किया जाना चाहिए था जिनकी जगह मनोनयन किया गया और पार्टी के वरिष्ठ लोगों के नाम पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए था और संगठन को भी विश्वास में लिया जाना था जिसमे से किसी बात पर भी ध्यान नहीं दिया गया।

बैकुंठपुर नगरपालिका से इन्हें एल्डरमैन पद से छुट्टी दे दी गई- बैकुंठपुर नगरपालिका से प्रवीण भट्टाचार्य, राजीव गुप्ता, नन्हू दुबे, रामायण व यूसुफ इराकी जिन्हें दो वर्ष पूर्व ही एल्डरमैन नियुक्त किया गया था की छुट्टी कर दी गई। इनको एल्डरमैन नियुक्त हुए दो वर्ष ही हुए थे और इनका कार्यकाल भी बेहतर चला आ रहा था।

एकबार ही पार्षद निधि का कर सके थे पूर्व नियुक्त एल्डरमैन

बताया जा रहा है कि दो वर्ष पूर्व नियुक्त एल्डरमैन केवल एकबार का ही पार्षद निधि उपयोग कर सके थे और दूसरी बार उनको मौका ही नहीं मिला और उनकी नियुक्ति समाप्त कर दी गई वह भी तब जबकि पूर्व नियुक्त सभी एल्डरमैन विधायक खेमे के ही थे और उनके करीबी थे।

विधायक की पसंद से बनाये गए नए एल्डरमैन- बताया जा रहा है कि पूर्व के एल्डरमैन हटाकर नए एल्डरमैन नियुक्ति के समय विधायक की पसंद का ख्याल रखा गया है और यह विधायक की ही मंशा से हुआ बदलाव है। विधायक के करीबियों को ही एल्डरमैन नियुक्ति में जगह मिल सकी है।

संगठन को नहीं लिया गया विश्वास में

बताया यह भी जा रहा है कि पुराने एल्डरमैन हटाकर नए एल्डरमैन नियुक्ति के समय विधायक की पसंद का ख्याल केवल रखा गया है और संगठन को विश्वास में नहीं लिया गया है। संगठन से नाम यदि जाता तो कुछ नामों में या तो पुनरावृत्ति होती या सामंजस्य स्थापित कर नाम भेजे जाते नियुक्ति हेतु ऐसी बातें भी सामने आ रहीं हैं।

वरिष्ठता का नहीं रखा गया ध्यान

एल्डरमैन नियुक्ति में वरिष्ठता का ध्यान नहीं रखा गया यह भी बातें सामने आ रहीं हैं। वरिष्ठ लोगों को पूर्णतः किनारे करते हुए नियुक्ति की गई है जिससे कई वरिष्ठ कांग्रेसियों के नाराज होने की बात सामने आ रही है।

पार्षद पद चुनाव में नाम वापसी लेने वाले उम्मीदवारों को मिला मौका

नए एल्डरमैन जो बनाये गए हैं उनमें उन्हें भी स्थान दिया गया है जो नगरपालिका चुनाव के दौरान कांग्रेस के घोषित प्रत्याशियों के विरुद्ध नाम दाखिल चुनाव लड़ने हेतु किये थे और मानमनौव्वल के बाद जिन्होंने नाम वापस ले लिया था इसमे से बैकुंठपुर के हर्रापारा वार्ड से एक महिला सहित वार्ड क्रमांक 6 के एक युवा को इसी बात का इनाम मिला है जो चर्चा का विषय है।

पार्टी के भीतर ही असन्तुष्ट लोगों का कहना है कि जिन्हें पहले नियुक्त किया गया था उनके साथ ऐसा नहीं किया जाना था और उनका कार्यकाल 5 वर्षों का रहने देना चाहिए था। उन्हें बीच मे ही हटाना उचित निर्णय नहीं मानते डाइसे लोग।

शिकायत पर जिपं अध्यक्ष प्रतिनिधि राजस्व विभाग पर भड़के

-नगर संवाददाता-
सूरजपुर 10 जुलाई 2022(घटती-घटना)। राजस्व विभाग से संबंधित शिकायत पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिवभजन सिंह मरावी ने कई ग्रामों में पहुंचकर लोगों की बात सुनी। ग्रामीणों द्वारा राजस्व विभाग के मैदानी अधिकारी-कर्मचारियों की उदासीनता पर नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल व्यवस्था सुदृढ किए जाने के आश्वासन दिए गए हैं। लगातार विभिन्न ग्राम पंचायतों में भ्रमण कर आमजन की समस्या को सुनते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिव भजन सिंह मरावी द्वारा आमजन की समस्याओं का निराकरण कराया जा रहा है। इसी तारतम्य में गतदिनों जिपं अध्यक्ष प्रतिनिधि ने प्रतापपुर ब्लाक के अंतर्गत ग्राम पंचायत ग्राम पंचायत भेड़िया, बरपटिया, डांडकरवां, बड़वार सहित अन्य ग्रामों का निरीक्षण किया। यहां पर निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि राजस्व विभाग के खाता, बंटवारा हाउसिंग तहसील कार्यालय का चक्कर काट रहे हैं।ग्रामीणों का समस्या सुनकर उन्होंने तहसीलदार, एसडीएम व राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारी से चर्चा कर सभी समस्याओं का जल्द ही निराकरण कराए जाने का आश्वासन आमजन को दिया। ग्रामीण इलाकों में सीमांकन की बहुत बड़ी समस्या लोगों द्वारा बताई गई। कई दिनों से आदेश करवाकर लोगों के रखे जाने के बाद भी आज तक लोगों के जमीन का सीमांकन नहीं किया गया है। शिकायत पर पटवारी को तत्काल आदेशित किया गया कि क्षेत्र की जनता के लिए शासन-प्रशासन आप लोगों को नियुक्त कर रखा। जिपं अध्यक्ष प्रतिनिधि ने लापरवाही पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए पटवारियों को चेतावनी दी है कि आपको काम नहीं करना है तो अपने घर वापस चले जाएं अन्यथा हमें मजबूरन आप लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने विवश होना पड़ेगा। उन्होंने मैदानी स्तर पर अधिकारियों व कर्मचारियों के व्यवस्था में सुधार कराकर आमजन को राहत दिलाए जाने हेतु कलेक्टर से भी चर्चा कर वस्तुस्थिति से अवगत कराया। कलेक्टर ने जिपं अध्यक्ष प्रतिनिधि को आश्वस्त किया कि लोगों की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई कराते हुए समस्याओं का निराकरण कराया जाएगा। साथ ही जो भी दोषी अधिकारी पाए गए उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। इस दौरान हरिलाल, कुंदन मिश्रा, लालू खान, फजील मोहम्मद, जलील मोहम्मद व अन्य ग्रामीणजन उपस्थित थे।

कुएं में तैरती मिली लाश,जांच में जुटी पुलिस

-नगर संवाददाता-
कोरबा 10 जुलाई 2022(घटती-घटना)। मामला कटघोरा थाना क्षेत्र मोहनपुर गांव का है, जहां एक शख्स की लाश कुएं में तैरती हुई मिली । उसके हाथ पैर को रस्सी से बांधा गया था। इस वजह से आशंका है कि पहले उसकी हत्या की गई है। पुलिस ने शव बरामद कर मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक, मोहनपुर गांव में लोग रविवार सुबह लोग गांव में बने एक पुराने कुएं से पानी निकालने गए थे। उसी दौरान उन्होंने एक शख्स की लाश को कुएं के अंदर पानी में तैरता हुआ देखा । जिसके बाद ये पूरा मामला खुला है। फिर पुलिस को भी इस बात की सूचना दी गई । खबर मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची । इसके बाद पुलिस ने शव को पानी से निकाला। शव निकालने पर पता चला कि उसके हाथ-पैर को रस्सी से बांधा गया था। शरीर में कुछ जगह चोट के निशान भी हैं। इसलिए शंका है. कि उसकी गला दबाकर हत्या की गई है। फिलहाल शव की पहचान नहीं हो सकी है। आस-पास के गांवों में भी खबर दी गई है। शव की पहचान करने का प्रयास जारी है। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट के बाद ही कुछ साफ हो सकेगा।

राष्ट्रीय राज्य मार्ग 43 पर लुढ़कते पत्थरों का खतरा

चलते वाहनों पर कभी भी गिर सकते हैं मोटे झाड़ और बड़ी चट्टाने

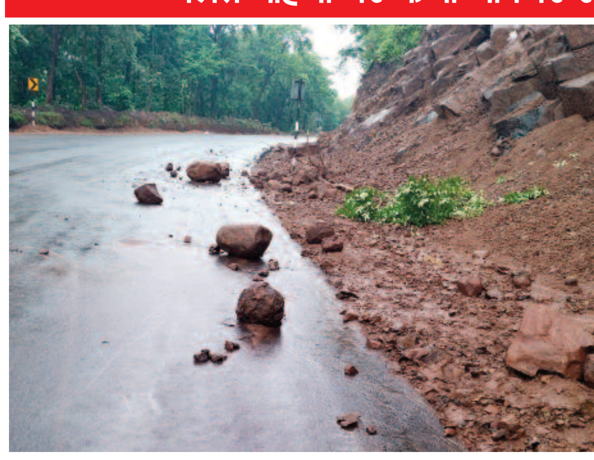

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 10 जुलाई 2022(घटती-घटना)। जैसा कि आप सभी जानते हैं कि राज्य मार्ग क्रमांक 43 का चौड़ीकरण कार्य हुए दूसरा वर्ष हो रहा है। यह भी कह सकते हैं की दूसरी बरसात भी आ गई है। सड़क निर्माण के दौरान बेलबहरा की हसदेव नर्सरी से लेकर नगर के पहले जमदुआरी के जंगलों तक सड़क के दोनों तरफ की पहाड़ी की खुदाई कर सड़क चौड़ीकरण किया गया था। सड़क निर्माण के बाद पहली बरसात में ही इन दोनो जंगली पहाड़ियों से पेड़ और पत्थर सड़क पर गिरते रहे हैं। जिसको लेकर समाचार पत्रों ने कई बार समाचार भी प्रकाशित किया था।उसके बावजूद भी स्थिति जस की तस है।सड़क निर्माता कंपनी ने तो सड़क बनाया और चलते बनी परंतु इस सड़क मार्ग पर यात्रा करने वाले वाहनों और राहगीरों के लिए जो बड़ी संभावित दुर्घटना का कारण छोड़ गई उसका परिणाम कभी भी भयावह हो सकता।

पहाड़ी करार में झूलते झाड़ धरासायी होकर गिर सकते हैं चलते वाहनों पर

आपको बता दें की सड़क निर्माण पश्चात इन दोनो जंगलों की खुदाई कर पहाड़ों का सीधा ढाल सड़क की ओर कर दिया गया है।उससे आए दिन इन पहाड़ियों से चट्टाने खिसक कर सड़क पर आ गिरती है। हसदेव नर्सरी में तो पहाड़ियों से झाड़ गिरते भी कई बार देखा गया हैं।जिसके बाद आज भी कभी भी बरसात के दिनों में सड़क पर चलतीं तेज रफ्तार गाडियों के चपेट मे आकर दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना लगातार बनी हुई है।यकीन मानिए आज की सावधानियां या फिर इनसे बचाव भविष्य की बड़ी घटनाओं को रोक सकता है।अगर संबंधित पहल करते हैं तो।

बैकुंठपुर और मनेंद्रगढ़ के इन जंगलों को जानलेवा जंगल बना छोड़ दिया एनएस पीआर ने

आपको बता दें की सड़क निर्माण कार्य के दौरान बाधित व नष्ट हुई संपत्ति या व्यवस्था को सड़क निर्माता कंपनी ने अपने ब्यय पर पुनः बहाल करती थी। परंतु सड़क निर्माण के दौरान ये दोनो वन विभाग के अफसरों के द्वारा शायद कोई प्रयास नहीं किया गया था जिसके बाद सड़क निर्माण में लगी कंपनी इसे दुरुस्त कर पाती। परंतु इस जंगल को हादसों की सड़क बना निकलती बनी। इसे विसंगति कहें या फिर लापरवाही जिसकी वजह से दोनों जंगलों से गुजरती सड़क हादसों की सड़क में तब्दील हो चुकी है। खैर,,बीती ताहि बिसार दे, आगे की सुध ले, की तर्ज पर यही कहा जा सकता है की इन दोनो जंगलों की पहाड़ियों से गुजरने वाले यात्रियों के सुरक्षा को देखते हुए ऐसे इंतजाम किए जाएं की ये लापरवाही किसी पर आफत बन कर ना टूटे।

गौवंशों के सेवा में जुटे श्री रामकृष्ण गौ सेवा समिति के सदस्यों ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

-नगर संवाददाता-
कोरबा 10 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। लावारिश,पीड़ित, असहाय गौवंशों के सेवा में जुटे श्री रामकृष्ण गौ सेवा समिति के सदस्यों ने ननकीराम कंवर (मान. विधायक, रामपुर) को ज्ञापन सौंपा। समिति के पदाधिकारियों श्रीमती अर्चना रुनिझा (संरक्षक ,गौसेवा समिति एवं अध्यक्ष, भाजपा महिला मंडल बालको), श्रीमती लालिमा जायसवाल (अध्यक्ष), दौलत राम सोनी (सह-सचिव), प्रकाश सिंह (मीडिया प्रभारी), श्रीमती एल.वामक्षी (समिति सदस्य) एवं पारस जैन ने (पूर्व अध्यक्ष,रोटरी क्लब कोरबा) ने सामुहिक रुप से माननीय विधायक को ज्ञापन सौंपे, साथ ही अवगत कराया कि हमारे धर्म में गौमाता का दर्जा मिलने पर भी गौवंशों की स्थिति कितनी बुरी व दयनीय है। दूध नहीं देने पर गौमाता को सडकों पर छोड़ दिये जाते हैं, एक्सीडेंट होने पर कोई ईलाज नहीं कराये जाते। बूढ़ी असहाय गौवंशो को चारा पानी भी नहीं मिलते। इन सबके लिये हमारी सोसायटी श्री रामकृष्ण गौ सेवा समिति,बाल्को सेवा हेतु सदैव तत्पर है। विधायक ननकीराम कंवर को बालको क्षेत्र के नजदीक ग्राम में गौधाम (गौशाला) हेतु चिन्हित जमीन के क्रय व निर्माण कार्य में सहयोग हेतु निवेदन किये गये। ननकीराम कंवर ने हर संभव सहयोग हेतु आश्वासन दिये हैं, चूंकि वे स्वयं बहुत अच्छे गौसेवक हैं, इस हेतु गौधाम की यात्रा में वह साथ हैं।

शिव भजन सिंह मरावी को स्कूल के समस्याओं से अवगत कराया गया

-नगर संवाददाता-
सूरजपुर 10 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। ग्राम पंचायत बसदेई हाई स्कूल का निरीक्षण करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिव भजन सिंह मरावी स्कूल के शिक्षक स्कूल के सभी विद्यार्थी सभी लोग स्कूल के समस्या से अवगत कराया। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिव भजन सिंह मरावी को स्कूल में ऊपर छत पानी से टपकने, पंखा नहीं चलने, शिक्षक अटैच जिले में कई लोग हैं स्कूल तक पहुंचने में सीसी रोड स्कूल में 750 बच्चे हैं पढ़ाई एक शिफ्ट में हो रहा है। कमरे में बैठने में परेशानी हो रहा है। इस स्कूल में दो शिफ्ट में स्कूल लगे। दो शिफ्ट में जब स्कूल लगेगा तो हमें कुछ आराम मिलेगा पंखा चलेगा इस सभी बातों को जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिव भजन सिंह मरावी बहुत गंभीरता से लेते हुए जिले के जिला शिक्षा अधिकारी से बात तत्काल स्कूल का व्यवस्था को सुधारने को कहा। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिव भजन सिंह मरावी ब्लॉक कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष कुंदन मिश्रा लालू खान रामलाल जय सिंह समर सिंह हीरालाल तथा समस्त स्कूल के छात्र छात्राएं शिक्षक उपस्थित रहे।

तहसीलदार पर रिश्वत का आरोप

-ओमकार पाण्डेय-
सूरजपुर 10 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। ओड़गी तहसीलदार के पद पर रहते हुए वर्तमान सूरजपुर तहसीलदार पर जमीन संबन्धी एक मामले में तबादला आदेश जारी होने के बाद रिश्वत लेकर नियम विरुद्ध ढंग से आदेश पारित करने का गंभीर आरोप लगाते हुए जिले के दूरस्थ ग्राम इन्दरपुर ओड़गी निवासी मोहम्मद लतीफ नामक वयोवृद्ध ने सूरजपुर कलेक्टर से शिकायत कर कार्यवाही की मांग की है। वहीं तहसीलदार ने कार्यवाही को वैधानिक करार दिया है। कलेक्टर सूरजपुर से उक्ताशय के संबन्ध में की गई लिखित शिकायत में 80 वर्षीय पीड़ित मोहम्मद लतीफ पिता सहजीद निवासी इन्दरपुर ओड़गी ने मामले की उच्चस्तरीय जांच करा कर न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने बताया कि उनका शैलेश कुमार सिंह से जमीन संबन्धी विवाद को लेकर दो साल से प्रकरण तहसीलदार ओड़गी के न्यायालय में चल रहा था। विगत एक जून को नियत पेशी में दोनों पक्षों के अधिवक्ता का तर्क सुनकर तहसीलदार संजय राठौर द्वारा प्रारंभिक आदेश के लिए 8 जून की तिथि निर्धारित की थी। इसी बीच एक जून को कलेक्टर सुरजपुर द्वारा जारी तबादला आदेश में ओड़गी तहसीलदार संजय राठौर का तबादला तहसीलदार सूरजपुर के पद पर कर दिया गया था।

नियत तिथि से पूर्व जारी आदेश,,,,

शिकायत कर्ता ने दस्तवेजो के साथ बताया कि उनके मामले में प्रारंभिक आदेश के लिए 8 जून की तिथि निर्धारित थी। उनका आरोप है कि उसके बावजूद तहसीलदार श्री राठौर ने पद का दुरुपयोग करते हुए आदेश के लिए निर्धारित तिथि से पूर्व 3 जून को दूसरे के पक्ष में नियम विरुद्ध ढंग से आदेश पारित कर शिकायत कर्ता को विवादित भूमि से कब्जा छोड़ने का निर्देश दिया है।

अनुपस्थिति में आदेश पर सवाल

शिकायत में दस्तावेजीय प्रमाण के मुताबिक तहसीलदार ने ओड़गी तहसील में 3 जून को प्रकरणों की सुनवाई के लिए नियत तिथि को 13 जून नियत किये जाने का आदेश चस्पा किया था। जिसमे उल्लेखित था कि वे जिला कार्यालय में व्यस्त रहेंगे। ऐसे में 8 जून को नियत प्रकरण में 3 जून को आदेश पारित किया जाना स्वमेव गंभीर जांच का विषय है।

> उंक्त मामले में मैंने वैधानिक आदेश जारी किया है। मुझ पर लगाये जा रहे आरोप पूरी तरह बेबुनियाद है। जो जांच में स्वमेव स्पष्ट हो जाएगा। मेरे फैसले के विपरीत अपील भी की जा सकती है।
> **संजय राठौर**
> तहसीलदार सूरजपुर

क्षमा करना बापू देश अभी भी मैकाले-एम ए शेरिंग है:यादवेन्द्र दुबे

-नगर संवाददाता-
सूरजपुर 10 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। हाल ही में कोरिया जिले में छात्रों के झाड़ू लगाने के मामले में हेडमास्टर को निलंबित करने को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए शालेय शिक्षक संघ सूरजपुर के जिलाध्यक्ष यादवेन्द्र दुबे ने कहा कि क्षमा करना बाबू देश आज भी मैकाले - एम ए शेरिंग है। उन्होंने आगे कहा कि प्राचीन काल में भारत में सात लाख गुरुकुलों के माध्यम से सर्वांगीण विकास की आत्मनिर्भर शिक्षा दी जाती थी। जहाँ दरिद्र सुदामा, राजा श्रीकृष्ण ,राजा रामचन्द्र और निषादराज एक साथ गुरुकुल की सफाई ,ईंधन व्यवस्था,सहज वात्सल्य सेवा-भाव जैसे महत्वपूर्ण कार्य, जो आजकल अतिशय छोटे माने जाते हैं किया करते थे। जापान के शिक्षा संहिता और शिक्षा व्यवस्था में साफ सफाई की पूरी जिम्मेदारी शिक्षक - छात्र के समूहों की होती है,जो मिलकर काम करते हैं। भारत हजार साल गुलाम रहा,जिसमें साम्राज्यवादी अंग्रेजों का लगभग 250 साल गुलाम रहा,कुर्सी मेज हायररिकी व्यवस्था दिमाग में घर कर गई है । पूरी मनोवैचारिक स्थिति हम लोगों की गुलाम जैसी है,आधुनिक शिक्षा व्यवस्था भी बस उसी क्रम को आगे बढ़ाती है। महात्मा गांधी के बुनियादी शिक्षा सिद्धांत में स्पष्ट है कि हर बच्चा आत्मनिर्भर होगा वह स्वच्छता, स्वावलम्बन,बागवानी,पशुपालन ,प्राथमिक जीवन उपयोगी कार्यों,सेवा संवेदना में बचपन से ही उसे इन गुणों में पारंगत होने की शिक्षा दी जावेगी । जिस देश,राज्य शिक्षा व्यवस्था में झाड़ू लगाना,सफाई कार्य सिर्फ वर्ग विशेष का दायित्व हो तो जान लीजिए कि अभी भी हमारी शिक्षा और सामाजिक व्यवस्था गम्भीर रूप से बीमार है, उसे निर्मम इलाज की आवश्यकता है। किसी शिक्षक या हेडमास्टर का निलंबन होना वह भी छात्रों के सफाई के नाम से यह सिर्फ अधिकारियों की ही गलती नहीं है। यह निलंबन बताता है कि अभी भी हम मैकाले,मैक्समूलर, एम ए शेरिंग के शिक्षा व्यवस्था में जकड़े हुए हैं,गुलामी अंदर तक यानी रक्त-प्रवाह तथा हमारे डीएनए में शामिल हो चुका है। शालेय शिक्षक संघ सूरजपुर के जिला सचिव गौतम शर्मा ने इस संबंध में कहा कि एक बार मैं प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी का छात्रों से संवाद कार्यक्रम देख रहा था, तो मोदी जी ने कहा कि - जब गुजरात का मुख्यमंत्री था तो समाचार - पत्रों में छपता था, टेलीविजन में आता था कि फलाने स्कूल में छात्रों ने झाड़ू लगाई शिक्षक को स्पष्टीकरण जारी,कई जगह शिक्षकों को निलंबित भी किया जाता था । मैंने मूल को समझा अधिकारियों और तंत्र को स्पष्ट निर्देश दिया कि ऐसे विषयों पर न स्पष्टीकरण जारी किया जावे और न ही कोई भी विभागीय कार्यवाही की जावे । अपितु शिक्षक छात्रों को समूह सफाई के लिए प्रोत्साहित किया जावे। इस बावत उन्होंने बुद्धिजीवियों,सामाजिक कार्यकर्त्ताओं,पत्रकारों की कई बार बैठक भी ली। विभाग और प्रशासन को निलंबन करने से अच्छा होता शिक्षा के आला अधिकारी ,प्रशासन के यूपीएससी,पीएससी अधिकारी,नेतागण खुद ही शिक्षक और छात्रों के साथ प्रति सप्ताह सामूहिक स्वच्छता अभियान का हिस्सा बने। पूरी व्यवस्था को गुलाम वैचारिक मानसिकता से अब बाहर निकालने हेतु हम सबको मिलकर काम करना होगा।

आरएसएस का गुरु पूर्णिमा महोत्सव राम मंदिर में

-नगर संवाददाता-
रामानुजगंज 10 जुलाई 2022 (घटती घटना)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वधान में नगर के स्थानीय राम मंदिर में गुरु पूर्णिमा का महोत्सव आगामी 13 जुलाई 2022 दिन बुधवार को शाम 03:30 बजे प्रान्त सेवा प्रमुख लोमस राम साहू कि उपस्थिति में संपन्न होगा। कार्यक्रम कि जानकारी जिला संपर्क प्रमुख सुनील कुमार गुप्ता ने देते हुए बताया कि शिशु मंदिर से जुड़ने के बाद उन्हें अनुभव हुआ है कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ तथा इससे जुड़ी शिशु मंदिर आदि संस्थाओं में किस तरह देश प्रेम कूट-कूटकर भरा हुआ है। साथ ही इनमें काम करने वालों में अनुशासन, त्याग व समर्पण की भावना का अनूठा रूप देखने को मिलता है। संघ में किसी व्यक्ति विशेष को गुरु न मानकर सिर्फ भगवा ध्वज को ही गुरु मानने की परंपरा हैं। उक्त कार्यक्रम का दायित्व खंड कार्यवाहक अंकित कलवार एवं उनके सहयोगियों को सौंपा गया है।

सूचना

मैं शपथपूर्वक कथन करता हूं कि मैं उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूं।
मैं शपथपूर्वक कथन करता हूं कि मैंने कक्षा बारहवीं की परीक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय बसदेई जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़ से वर्ष 2004 में उत्तीर्ण किया हूं। मेरा रोल नंबर 1239587 है।
मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि उक्त परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात विद्यालय द्वारा मुझे अंकसूची प्रदान की गई थी उक्त अंकसूची घर से कहीं गुम हो गई है। काफी खोज-बीन के बाद भी नहीं मिली।
मैं शपथपूर्वक कथन करता हूं कि मुझे उपरोक्त कक्षा की अंकसूची की द्वितीय प्रति की आवश्यकता है अंकसूची के अभाव में मुझे अनेक परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए मुझे उपरोक्त अंकसूची की द्वितीय प्रति प्रदान की जावे।
अस्तु समर्थन में मेरा स्वयं का शपथ-पत्र प्रस्तुत है।
दिनांक-08/07/2022 हस्ताक्षर शपथकर्ता

सत्यापन
मैं प्रफुल्ल पाठक,पिता हरिहर पाठक सत्यापित करता हूं कि शपथ-पत्र की कंडिका क्रमांक 01 से 04 तक में गई समस्त जानकारी सत्य एवं सही है।
दिनांक-08/07/2022 हस्ताक्षर शपथकर्ता

शपथकर्ता
प्रफुल्ल पाठक
पिता-हरिहर पाठक
सूरजपुर छत्तीसगढ़

न्यायालय लिंक कोर्ट देवनगर,तहसील रामानुजनगर,जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

रा0प्र0क्र0-202207262500010
/अ-70/2021-2022

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत क्षेत्र सोनपुर को सूचित किया जाता है किआवेदक शिवनारायण साहू आ0 कन्हैयालाल साहू जाति तेली निवासी ग्राम सोनपुर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा ग्राम सोनपुर में स्थित भूमि ख.नं. 1749/2 रकबा 0.04 हे0भूमि के कुछ भाग में अनावेदक श्रवण कुमार ,दिनेश कुमार, गणेश कुमार आ0 देवी प्रसाद के द्वारा कब्जा कर लिया गया है। आवेदक को कब्जा दिलाए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 25/07/2022 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 08/07/2022 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील
नायब तहसीलदार
लिंक कोर्ट देवनगर
जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0-202206020700301
/अ-19/2021-2022

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अध्यक्ष छत्तीसगढ़ बंग समाज कल्याण समिति भगवानपुर के द्वारा समाज हेतु ग्राम सुभाषनगर स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर54 रकबा 0.270 हे0 में से रकबा 0.230 हे0 भूमि आबंटन किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त आवेदन पत्र के आधार पर हल्का पटवारी ग्राम सुभाषनगर से जांच प्रतिवेदन लिया गया। हल्का पटवारी द्वारा अपने प्रतिवेदन में उल्लेखित किया गया है कि ग्राम सुभाषनगर में स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 54 रकबा 0.270 हे0 भूमि भारत सरकार पुर्नवास विभाग मद में दर्ज है, का स्थल जांच उपस्थित व्यक्तियों के समक्ष किया गया। उक्त भूमि खसरा नंबर 54 में से रकबा 0.230 हे0 मौके पर रिक्त एवं पड़त है। उक्त भूमि को बंग समाज हेतु आबंटित करने हेतु उपस्थित व्यक्तियों द्वारा सहमति दिया गया। बंग समाज कोआबंटित करने पर किसी व्यक्ति को आपत्ति नहीं है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 13.07.2022 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 27/06/2022 को मेरे हस्ताक्षर एव न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील
तहसीलदार
अम्बिकापुर सरगुजा

इंग्लैंड बनाम भारत बना भुवनेश्वर बनाम बटलर!!

भारतीय गेंदबाज की स्विंग से चकराकर दो बार चित हुए आक्रामक बल्लेबाज

बर्मिंघम , 10 जुलाई 2022। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20आई सीरीज में भुवनेश्वर कुमार और जोस बटलर के बीच एक प्रतियोगिता चल रही हैं जिसमें पीछले दो मुकाबलों में भुवनेश्वर कुमार की जीत हुई। जोस बटलर इंग्लैंड के सबसे आक्रामक बल्लेबाज हैं।अगर बटलर टिक गये तो शतकीय पारी खेलते हैं। आईपीएल में राजस्था न के लिए हमने उनके बल्ले से दो शतक देखे थे। उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की थी। जब तक वह मैदान में है तब तर मैच हारने की उम्मीद कोई नहीं करता है लेकिन भारत के खिलाफ भुवनेश्वर कुमार ने उनका बल्ला चलने नहीं दिया। भुवनेश्वर कुमार ने अपनी बॉल को स्विंग कराया और बटलर को चकमा दे दिया। दोनों मैच में भुवनेश्वर कुमार ने ही पावर प्ले में ही जोस बटलर को आउट किया है। बटलर का बल्ला सोया और इसका फायदा भारतीय टीम को मिला। पहला मैच भारत ने 50 रनों से जीता था और दूसरा मैच भी भारत ने 49 रनों से जीता। भुवनेश्वर कुमार की गेंदबाजी की तारीफ चारों तरफ हो रही हैं।

समकालीन क्रिकेट में बहुत कम गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार से बेहतर गेंद को स्विंग करा पाते हैं लेकिन सफेद कूकाबूरा गेंद से तीन दिन में दूसरी बार इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम को झकझोरने के बाद भारत के इस तेज गेंदबाज ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि वह गेंद को स्विंग करा रहे हैं या हालात के कारण ऐसा हो रहा है। या फिर गेंद ही खुद स्विंग हो रही है।

इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भारत को 2-0 की बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाने के बाद भुवनेश्वर ने कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता (गेंद स्विंग क्यों कर रही है)।'' उन्होंने कहा, ''क्योंकि मैं यहां कई बार आ चुका हूं और मैंने यहां पिछली जो कुछ श्रृंखलाएं खेली हैं उनमें गेंद स्विंग नहीं कर रही थी। इसलिए हां, मैं भी हैरान था कि सफेद गेंद स्विंग कर रही है और लंबे समय तक स्विंग कर रही है, विशेषकर टी20 प्रारूप में। विकेट पर अधिक उछाल भी है।

इसलिए हां, जब गेंद स्विंग करती है तो आप अधिक लुत्फ उठाते हो।'' इस तेज गेंदबाज ने कहा, ''लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता कि इसे मैं स्विंग करा रहा हूं, परिस्थितियों के कारण ऐसा हो रहा है या फिर गेंद के कारण ऐसा है लेकिन हां, मुझे खुशी है कि गेंद स्विंग कर रही है।''

भारत के इस अनुभवी तेज गेंदबाज का मंत्र सामान्य सा है, अगर गेंद स्विंग कर रही है तो वह आक्रमण करेंगे और विकेट चटकाने का प्रयास करेंगे। इस रणनीति पर अमल करते हुए भुवनेश्वर ने दो मैच में 25 रन देकर चार विकेट चटकाए। भुवनेश्वर ने शनिवार रात मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''अगर गेंद स्विंग करती है, जो मेरा मजबूत पक्ष है, तो मैं आक्रमण करने का प्रयास करता हूं।'' उन्होंने कहा, ''सपाट पिचों पर बल्लेबाज आक्रमण करते हैं, वे वहां अपने शॉट खेलते हैं लेकिन दो मैच में गेंद स्विंग हुई और मैं आक्रमण कर रहा था। लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि अपने ऊपर नियंत्रण रखो।''

तेज गेंदबाज ने कहा, ''आपको लगता है कि आप एक इनस्विंग, एक आउटस्विंग, एक इनस्विंग फेंकेंगे लेकिन इस इच्छा को नियंत्रित करना महत्वपूर्ण है। निरंतरता के साथ गेंदबाजी करो और बल्लेबाजों को आउट करने के लिए जाल बिछाओ।'' कुछ समय पहले तक भुवनेश्वर चोटों से जूझ रहे थे और ऐसा लगने लगा था कि क्या इस तेज गेंदबाज का करियर खत्म हो गया है। भुवनेश्वर ने कहा, ''चोट के बाद आपको पता होता है कि जब आप वापसी करोगे तो आपको अच्छा प्रदर्शन करना होगा। इसके अलावा कोई और विकल्प नहीं होता। मेरा हमेशा से मानना है कि वापसी करने का कम से कम एक मौका और मिलेगा। मुझे पता है कि तब मैं अपना शत प्रतिशत दूंगा लेकिन नतीजे अच्छे मिलेंगे इसकी कोई गारंटी नहीं है।''

उन्होंने कहा, ''क्योंकि जब आप चोटिल होते हो तो आप हताश हो जाते हो। कुछ निराशा होती है। जरूरी नहीं कि अपने ऊपर संदेह हो लेकिन आप मानसिक रूप से अच्छी स्थिति में नहीं होते।'' पिछले कुछ दिनों में अच्छे प्रदर्शन के बाद भुवनेश्वर आस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप की भारतीय टीम में जगह बनाने के प्रबल दावेदार हैं और टेस्ट टीम में वापसी भी संभव लगती है। यह पूछने पर कि क्या वह दोबारा टेस्ट क्रिकेट खेलने को लेकर उत्सुक हैं, भुवनेश्वर ने कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो मैं इस समय किसी चीज के बारे में नहीं सोच रहा। बेशक, जब टेस्ट में मौका मिलेगा तो मैं 'ना' नहीं करूंगा।

73 साल के हुए लिटिल मास्टर गावस्कर

नई दिल्ली , 10 जुलाई 2022। भारत के दिग्गज सुनील गावस्कर आज यानि 10 जुलाई को अपना जन्मदिन मनाए। खेल की शोभा बढ़ाने वाले महानतम बल्लेबाजों में से एक, गावस्कर ने अपने शानदार करियर के दौरान 125 टेस्ट और 108 एकदिवसीय मैच खेले। उन्होंने सभी प्रारूपों में टीम इंडिया का नेतृत्व किया और 1985 में क्रिकेट की विश्व चैम्पियनशिप में खिताबी जीत के लिए मेन इन ब्लू की कप्तानी की।

वह कपिल देव के नेतृत्व वाली 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य थे जिसने फाइनल में वेस्टइंडीज को हराया था। गावस्कर ने संन्यास के बाद कमेंट्री की और अब वह एक अनुभवी क्रिकेट कमेंटेटर हैं। उन्होंने आईपीएल से संबंधित कार्यों के लिए बीसीसीआई के अंतरिम अध्यक्ष के रूप में भी काम किया।

टेस्ट क्रिकेट में 10000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज

गावस्कर टेस्ट क्रिकेट में 10000 रन का आंकड़ा पार करने वाले पहले बल्लेबाज थे। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपने अंतिम टेस्ट मैच में पाकिस्तान के खिलाफ मील का पत्थर हासिल किया। अहमदाबाद में मार्च 1987 में इतिहास रचा गया था। गावस्कर ने लाल गेंद का खेल छोड़ने से पहले एक और टेस्ट मैच खेला। उन्होंने अपने टेस्ट करियर का अंत 10122 रन के साथ किया।

लगातार 100 टेस्ट मैच खेलने वाले एकमात्र भारतीय बल्लेबाज

गावस्कर के नाम टीम इंडिया के लिए लगातार सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेलने का रिकॉर्ड भी है। वह एक के बाद एक 100 से अधिक टेस्ट खेलने वाले एकमात्र भारतीय हैं। 1971 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले गावस्कर ने अपनी स्ट्रीक 1975 में शुरू की थी। यह सिलसिला उनके अंतिम टेस्ट मैच से ठीक एक महीने पहले समाप्त हुआ।

उन्होंने उन 12 वर्षों के दौरान लगातार 106 टेस्ट खेले और टीम इंडिया के एक महत्वपूर्ण सदस्य बने रहे। गावस्कर ने इस दौरान टीम की कप्तानी भी की। उनके नेतृत्व में भारत ने 47 में से 9 टेस्ट जीते। भारत ने 8 मैच गंवाए जबकि 30 टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुए।

सबसे तेज 5000 टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय

गावस्कर की महानता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 5000 रन का आंकड़ा पार करने का उनका 42 साल पुराना रिकॉर्ड आज भी कायम है। वीरेंद्र सहवाग, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा जैसे खिलाड़ी रिकॉर्ड तोड़ने के करीब आए, लेकिन ये सभी कम पड़ गए।

भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ माने जाने वाले विराट कोहली इस समय करियर के सबसे बुरे दौर में

नई दिल्ली , 10 जुलाई 2022। तीन साल पहले तक भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ माने जाने वाले विराट कोहली इस समय करियर के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। तमाम कोशिशों के बावजूद उनका खामोश बल्ला मुंह नहीं खोल रहा। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी-20 में वे 1 रन बनाकर आउट हो गए। कोहली का आखिरी शतक 22 नवंबर 2019 को बांग्लादेश के खिलाफ आया था। इसके बाद ये खिलाड़ी 65 मुकाबले खेल चुका है। वहीं, आखिरी 10 पारियों में कोहली का बेस्ट स्कोर 52 रन है। इस बीच उनके सामने एक और विशाल चुनौती आन खड़ी हुई है। चुनौती यह है कि अगर उन्हें भारत की टी-20 टीम में बने रहना है तो 160+ के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करनी होगी।

अब टीम इंडिया ने अपना ली है ऑल आउट अटैक की रणनीति

पिछले 15 दिन में हमने देखा है कि टीम इंडिया ने टी-20 क्रिकेट खेलने की एक बेहद ही आक्रामक रणनीति बना ली है। अब हमारे बल्लेबाज शुरुआत से लेकर अंत तक हमलावर रुख अपनाए रहते हैं। फोकस बड़ी पारी खेलने पर नहीं बल्कि आक्रामक पारी खेलने पर ज्यादा है। 130 के स्ट्राइक से बनाए गए 80 रन की अहमियत नहीं है। अब 200 के स्ट्राइक रेट से बनाए गए 30 रन ज्यादा कीमती हैं। आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम ने अब तक 4 मैच खेले हैं। इनमें भारत ने बैटिंग ऑर्डर की टॉप-6 पोजीशन पर 12 बल्लेबाज आजमाए। इन्होंने 165 के स्ट्राइक रेट और 32.47 के औसत से रन बनाए हैं। कप्तान रोहित शर्मा ने खुद 162 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। दीपक हुड्डा ने 179, संजू सैमसन ने 183 और सूर्यकुमार यादव ने 191 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की है।

अगर कोहली प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं तो आप युवाओं को बाहर नहीं रख सकते:कपिल देव

नई दिल्ली , 10 जुलाई 2022। पूर्व कप्तान कपिल देव ने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए चयनकर्ताओं से इनफ़ॉर्म खिलाड़ियों को खिलाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि विश्व कप की तैयारियों के लिए चयनकर्ताओं को कठिन निर्णय लेने होंगे, चाहे बात विराट कोहली जैसे कद के खिलाड़ी की क्यों ना हो। कपिल ने कहा, अगर आपके पास कई विकल्प हैं तो आप इन फ़ॉर्म खिलाड़ियों के साथ जाएं। आप केवल प्रतिष्ठा के आधार पर नहीं जा सकते बल्कि आपको खिलाड़ी के मौजूदा फ़ॉर्म को देखना होगा। आप स्थापित खिलाड़ी हो सकते हैं लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि पांच बार लगातार असफल होने के बाद भी आपको मौक़े मिलते रहेंगे। 1983 विश्व कप विजेता कपिल देव को लगता है कि जब स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को बाहर किया जा सकता है, तो विराट कोहली को भी भारतीय टीम से बाहर किया जा सकता है। हालांकि, विराट कोहली ने नवंबर 2019 के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक नहीं लगाया है और वे अभी अपनी फॉर्म में नहीं हैं। दीपक हुड्डा, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ियों के मिश्रण में कोहली के लिए प्लेइंग इलेवन में जगह बनाना मुश्किल हो रहा है।

दिनेश विजान की अगली फिल्म में नजर आएंगे अक्षय कुमार

अक्षय कुमार बॉलीवुड के सबसे व्यस्त अभिनताओं में शुमार किए जाते हैं। उनकी एक के बाद एक कई फिल्में कतार में शामिल हैं। इस बात से हम सभी वाकिफ हैं कि वह एक साथ कई फिल्मों के प्रोजेक्ट पर काम करते हैं। अब उनके खाते में एक नई फिल्म जुड़ गई है। चर्चाओं का बाजार गर्म है कि वह प्रोड्यूसर दिनेश विजान की फिल्म में नजर आएंगे। इसमें उन्हें अहम भूमिका में देखा जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, अक्षय प्रोड्यूसर दिनेश की अगली फिल्म में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। फिल्म के लिए मेकर्स की अक्षय के साथ बातचीत चल रही है। एक सूत्र ने कहा, यह एक ऐसा विषय है, जिस पर अक्षय और दिनेश कुछ समय से चर्चा कर रहे थे और उसी पर दोनों साथ काम करने के लिए सहमत हुए हैं। एक बार जब स्क्रिप्ट फाइनल हो जाएगा, तो निर्देशक के नाम और फिल्म के शीर्षक का आधिकारिक ऐलान होगा। कहा जाता है कि अक्षय और दिनेश एक-दूसरे का बहुत सम्मान करते हैं।

दोनों इस प्रोजेक्ट के लिए उत्साहित हैं। सूत्र ने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू होगी। वहीं, फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम इस साल के अंत में शुरू होगा। फिल्म के प्लॉट और इसके बाकी कलाकारों के बारे में फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है। उम्मीद है कि जल्द इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा होगी।

हाल के दिनों में अक्षय की फिल्में सिनेमाघरों में कमाल नहीं कर पाई हैं। अक्षय की बच्चन पांडे का बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल हुआ था। इस फिल्म ने मात्र 68.61 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। सम्राट पृथ्वीराज अक्षय की दूसरी फिल्म है, जो इस साल फ्लॉप हुई है। दर्शकों की कमी के चलते इसके कई शोज रद्द किए गए हैं। फिल्म 3 जून को सिनेमाघरों में आई थी। फिल्म ने करीब 65 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

अक्षय के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें फिल्म रक्षाबंधन में भूमि पेडनेकर के साथ देखा जाएगा। वह साउथ फिल्म रक्षासुडू की हिंदी रीमेक और सुपरस्टार सूर्या की तमिल फिल्म सोरारई पोटरु की हिंदी रीमेक का हिस्सा हैं। फिल्म राम सेतु में भी अक्षय मुख्य भूमिका में हैं। ओह माय गॉड 2, सेल्फी, गोरखा, मिशन सिंड्रेला और बड़े मियां छोटे मियां भी उनके खाते से जुड़ी हैं। इस प्रकार वह कई बड़ी फिल्मों का हिस्सा हैं।

फिल्ममेकर दिनेश निठारी किलिंग पर आधारित फिल्म बना रहे हैं, जिसमें विक्रांत मैसी दिखेंगे। लक्ष्मण उतेकर और दिनेश की मैडॉक फिल्म्स ने एक फिल्म के लिए हाथ मिलाया है, जिसमें विक्की कौशल और सारा अली खान दिखेंगे। दिनेश की भेड़िया जल्द दर्शकों के बीच आएगी।

आयुष्मान खुराना की फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी सामंथा रुथ प्रभु

दक्षिण भारतीय सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु धीमे-धीमे बॉलीवुड प्रशंसकों के बीच अपनी जगह बनाती दिख रही हैं। सामंथा इससे पहले हिंदी वेब सीरीज फैमिली मैन 2 में नजर आ चुकी हैं। वह करण जौहर के आने वाले शो कॉफी विद करण 7 में भी नजर आएंगी। अब खबर है कि सामंथा को बॉलीवुड डेब्यू के लिए भी फिल्म मिल गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार सामंथा ने आयुष्मान खुराना के साथ फिल्म साइन की है।

खबर के अनुसार सामंथा काफी समय से अपने डेब्यू के लिए प्रोजेक्ट की तलाश कर रही थीं। उन्हें ऐसे प्रोजेक्ट की तलाश थी जो उन्हें इस लायक लगे कि वह साउथ फिल्मों से ब्रेक लेकर उसपर समय दे सकें। खबर है कि आयुष्मान की यह फिल्म एक कमर्शियल एंटरटेनर होगी। इस फिल्म को दिनेश विजन बना रहे हैं। चर्चा है कि इससे पहले भी सामंथा को कई फिल्मों के ऑफर मिले थे पर उन्होंने उसे ठुकरा दिया।

हाल ही में करण जौहर द्वारा शेयर किए गए कॉफी विद करण के प्रोमो में सामंथा अक्षय कुमार के साथ नजर आ रही हैं। सामंथा का आत्मविश्वास और बेबाक अंदाज दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। वह इससे पहले एक विज्ञापन में भी अक्षय के साथ नजर आई थीं। इसके बाद चर्चा थी कि सामंथा अक्षय की फिल्म खेल खेल में से बॉलीवुड में दस्तक देंगी और इस फिल्म को करण जौहर निर्देशित करेंगे।

डेब्यू को लेकर सामंथा या उनकी टीम की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। सामंथा के बारे में कम ही लोग जानते हैं कि शुरुआत में उनकी अभिनय में कोई दिलचस्पी नहीं थी। सामंथा अपने मॉडलिंग करियर में व्यस्त थीं तभी लोकप्रिय निर्देशक और सिनेमैटोग्राफर एमआर रवि वरमन की नजर उन पर पड़ी। वरमन ने सामंथा को इंडस्ट्री से रूबरू कराया और इसके बाद अभिनेत्री ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री नयनतारा भी शाहरुख खान की फिल्म जवान से बॉलीवुड में एंट्री करने जा रही है। इससे पहले तापसी पन्नू और कृति सेनन जैसी स्टार्स दक्षिण भारतीय फिल्मों से बॉलीवुड में आकर अपना दमखम दिखा चुकी हैं। काजल अग्रवाल, तमन्ना भाटिया, इलियाना डी क्रूज, जेनेलिया डी सूजा जैसे नाम भी इस फेहरिश्त में शामिल हैं। वहीं, असिन, श्रुति हासन जैसी कलाकारों ने भी बॉलीवुड में काम किया है।

निर्माता बनने को लेकर अभिनेता विद्युत जामवाल ने बताया अपना प्लान

हिंदी फिल्म जगत के अभिनेता विद्युत जामवाल ने पिछले साल अपना प्रोडक्शन हाउस एक्शन हीरो फिल्म्स लॉन्च किया था। बॉलीवुड अभिनेता का कहना है कि उन्होंने निर्माता बनने की कोई योजना नहीं बनाई थी। एक निर्माता या अभिनेता होने के नाते और अधिक कठिन क्या है, इस बारे में विद्युत ने कहा, यह आश्चर्यजनक है, यह एक प्रगति है जिसे मैंने अनुभव किया है।

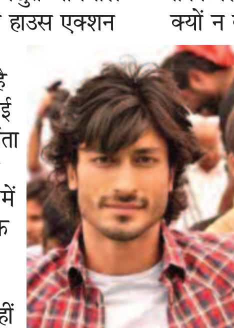

मैंने निर्माता बनने की योजना नहीं बनाई थी, यह बस हुआ। कभी-कभी आप महसूस करते हैं कि मैं चीजों को कैसे करना चाहता हूं, अगर कोई आपके लिए नहीं कर रहा है तो इसे अपने आप क्यों न करें। यह एक महान प्रगति है और मैं इसके कठिन हिस्से को नहीं जानता यह बहुत मजेदार है और आपके लिए जो कुछ भी नया है वह कुछ कोशिश करने का मौका देता है। विद्युत का पहला प्रोडक्शन आईबी 71 संकल्प रेड्डी द्वारा निर्देशित किया गया था। जासूसी थ्रिलर एक सच्ची घटना पर आधारित है कि कैसे भारतीय खुफिया अधिकारियों ने पूरे पाकिस्तानी प्रतिष्ठान को पछाड़ दिया और भारतीय सशस्त्र बलों को दो-मोर्चे के युद्ध का सामना करने के लिए आवश्यक लाभ दिया।

म्यूजिक एलबम 'सुट्टा' में नजर आएगी अदाकारा रिया रॉय

पश्चिम बंगाल की धरती से जुड़ी अभिनेत्रियों में अपर्णा सेन, इंद्राणी मुखर्जी, सुमिता सन्याल, शर्मिला टैगोर, तनुजा, राखी, माला सिन्हा, मौसमी चटर्जी, मुममुन सेन, राइमा सेन, रानी मुखर्जी, सुष्मिता सेन और रिंकू घोष (दुर्गेशनंदिनी) जैसी कई अभिनेत्रियों ने बॉलीवुड में अपने अभिनय प्रतिभा के बदौलत बंगाल का नाम रौशन किया और सिने दर्शकों दिलोदिमाग़ में छाई रहीं। इन नामों के साथ अब एक नाम और जुड़ गया है अभिनेत्री रिया रॉय का। कोलकाता (पश्चिम बंगाल) के टालीगंज से आयी होनहार, मेहनती और आकर्षक व्यक्तित्व की धनी रिया रॉय की अदाकारी और खूबसूरती का जलवा बहुत जल्द ही मशहूर पार्श्‍वगायक कुमार शानू के पुत्र जान कुमार शानू के नए म्यूजिक एलबम 'सुट्टा' में देखने को मिलेगा।

यह एक पेप्पी पार्टी सांग है जो कश्मीर की अदभुत सुंदर वादियों में फिल्माया गया है। इस एल्बम से रिया रॉय बॉलीवुड का हिस्सा बनेंगी। बचपन से ही अभिनय में रुचि रखने वाली अदाकारा रिया रॉय अपने कैरियर की शुरुआत मॉडलिंग से की है साथ ही रंगमंच में भी काम किया है। कई बेहतरीन विज्ञापन फिल्मों में रिया काम कर चुकी है तथा कई ब्रांड की वह हाई पॉइंट भी रही है। कई बड़े ज्वेलर्स के विज्ञापनों में रिया की सुंदरता देखते बनती है जैसे ओरा डिमांड ज्वेलर्स आदि। कई सौंदर्य सामग्री के विज्ञापनों के साथ बड़े रिसोर्ट के विज्ञापन में भी रिया का जलवा कायम है जिसमें हाल ही में खानवेल रिसोर्ट सिलवासा का विज्ञापन उल्लेखनीय है।

रिया को अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, माधुरी दीक्षित, आयुष्मान खुराना, रणवीर सिंह और नवाजुद्दीन सिद्दिकी जैसे शख्सियत जिन्होंने बॉलीवुड में अपनी मेहनत से खुद को स्थापित किया है, काफी पसंद हैं। रिया भी अपनी योग्यता और अभिनय कौशल की बदौलत ऊचाइयों तक पहुंचना चाहती है। पूर्ण आत्मविश्वास से भरी रिया ने स्वयं में कमी होने नहीं दी है वह नयापन और अपने व्यक्तित्व में सुधार करते रहती है। वह योगा, मेडिटेशन, डांस में ध्यान देती है। नवोदित अदाकारा रिया रॉय के पास म्यूजिक एलबम 'सुट्टा' के अलावा कई प्रोजेक्ट हैं जिसमें वह दर्शकों को जल्द दिखायी देंगी। रिया आत्मविश्वासी और दृढ़ निश्चयी है। अभिनय की दुनिया में वह अपना अलग मुकाम बनाना चाहती है।

संक्षिप्त समाचार

भीषण सड़क हादसे में टीचर की मौत,जांच में जुटी पुलिस

जांजगीर चांपा, 10 जुलाई 2022। घर जा रहे शिक्षक की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। मृतक शिक्षक गोधना के निवासी थे और पामगढ़ में किराए के मकान में रहते थे। घटना पामगढ़ थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, बीती रात शिक्षक रूपचंद साहू (52 वर्ष) अपनी भांजी से मिलने के लिए चंडीपारा गये थे। वहां से रात को लौटने के दौरान दुपट्टा मोड़ के पास तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में शिक्षक के सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही मौत हो गई। मृतक शिक्षक रूपचंद मस्तूरी विकास खंड के शासकीय प्राथमिक शाला में पदस्थ थे। इधर घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर लोगों की भीड़ और पुलिस की टीम पहुंची। पुलिस ने रात में ही शव की शिनाख्त और पंचनामा के बाद इसकी जानकारी परिजनों को दी। इस दुखद घटना के बाद शिक्षक के घर में मातम पसरा हुआ है। वहीं परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

मकान के बाहर खड़ी मोटर सायकल चोरी, केस दर्ज

बागबाहरा, 10 जुलाई 2022। थाना अंतर्गत वार्ड क्र 06 लालपुर में मकान के बाहर खड़ी मोटर सायकल चोरी, जिसपर मामला दर्ज किया गया है। दुशासन कुमार चक्रधारी ने पुलिस को बताया कि वह ग्राम चरौदा का रहने वाला है ,वर्तमान में वार्ड क्र 06 लालपुर बागबाहरा में रामलाल चक्रधारी के मकान में किराये में रहता है। आदित्य अस्पताल बागबाहरा में कम्प्युटर आपरेटर का काम करता है। वह अपने मो0सा0 हीरो एचएफ डिलक्स क्र CG 06 GM 9508 से आदित्य अस्पताल से रात्रि 11.00 बजे डियुटी से वापस आकर मो0सा0 को मकान के बाहर खड़ी किया था सुबह 05.00 बजे उठकर देखा तो उसकी मो0सा0 बाहर में नही था आसपास पता तलाश किया पता नही चला उसकी मो0सा0 हीरो एचएफ डिलक्स क्र CG 06 GM 9508 जिसका कीमती 15000 रूपये को किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले गया है।

सरेआम शराब पीते 11 गिरफ्तार

रायपुर, 10 जुलाई 2022। राजधानी पुलिस ने अभियान चलाकर सरेआम शराब का सेवन करते हुए 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार गोलबाजार पुलिस ने सरेआम शराब का सेवन करते हुए आरोपी शेख जाउदीन 36 वर्ष, मोह.निजामुदीन 23 वर्ष, श्याम ताण्डी 25 वर्ष, मोह.सहजाद अंसारी 26 वर्ष, ओम प्रकाश सपहा 42 वर्ष, राजू रगडे 55 वर्ष, गोपाल साहू 35 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह गंज पुलिस ने आरोपी हेमंत साहू 30 वर्ष, तिरथ जंघेल 36 वर्ष, खिलेश्वर यादव 30 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल भेज दिया है।

आईटम गर्ल

विधायक के इस बयान से आहत हूं:लखमा

रायपुर, 10 जुलाई 2022। प्रदेश के उद्योग और आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की. इस दौरान उन्होंने विभिन्न मुद्दों को लेकर अपनी बात रखी. वहीं उन्होंने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा. प्रेस वार्ता के दौरान अंतागढ़ विधायक अनूप नाग और केशकाल विधायक संतराम नेताम भी मौजूद रहे.

कवासी लखमा ने पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर के विवादित बयान को लेकर आपत्ति जताई. चंद्राकर ने कवासी लखमा को कांग्रेस मंत्री मंडल का आइटम गर्ल बताया था. बताया जा रहा है कि अजय चंद्राकर के खिलाफ कांग्रेस के आदिवासी नेता प्रदर्शन और पूतला दहन करेंगे. उन्होंने कहा कि अजय चंद्राकर ने

मेरे खिलाफ जो बयान दिया है उससे मैं आहत हूं. कमजोर आदमी को दबाने का काम करती है बीजेपी. अजय चंद्राकर के बयान से यही साबित होता है. लखमा ने कहा कि केवल मुझे हीं नहीं पूरे आदिवासी समाज को उनके बयान से ठेस पहुंची है. अगर अजय चंद्राकर माफी नहीं मांगते तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे। मंत्री कवासी लखमा ने कहा कि वे विष्णुदेव साय, डॉ रमन सिंह, धरमलाल कौशिक से पूछते हैं कि क्या वे अजय चंद्राकर के बयान से सहमत है? क्या वे ऐसे बयान देने वाले नेता को पार्टी में रखना चाहेंगे? आदिवासियों ने ये ठाना है कि अजय चंद्राकर को बस्तर में घुसने नहीं दिया जाएगा. मंत्री लखमा ने कहा कि भाजपा इस तरह की टिप्पणी से समाज का माहौल बिगाड़ने और लोगों को लड़वाने का काम कर रही है.।

नैनी नदी में बहे युवक का मिला शव,बच्चों को बचाने लगाई थी छलांग

चारामा, 10 जुलाई 2022। चारामा और ग्राम गिरहोला के बीच मछली पकड़ने गए दो बालकों को बचाने के लिए नैनी नदी में कूदे युवक राजू पिता शेखर सोनकर का शव रविवार की दोपहर 11=30 बजे एनीकट से लगभग 200 मीटर की दूरी पर नदी में मिला। हालांकि शनिवार की शाम सात बजे तक कांकेर पुलिस गोताखोर की टीम व आमजन के द्वारा युवक के शव को टूटे हुए एनीकट की होल में होने की आशंका से वही खोजबीन की गई थी अंदेशा भी यही लगाया जा रहा था कि युवक एनिकट के नीचे फंसा होगा। रविवार की सुबह सात बजे से प्रशासन के लोग बचाव कार्य में जुटे थे।

एनीकट के कुछ भाग जो की सीमेंट और पत्थर से जुड़ा हुआ था उसको तोड़ने का कार्य चालू किया गया, ताकि एनीकेट के होल को क्लियर किया जा सके और पानी एनीकट से बाहर आ सके। वहीं नैनी नदी में बढ़ते पानी की धार के कारण आगे कंडेल में स्थित एनीकट के दरवाजों को भी खोला गया था कि पानी जल्द से जल्द ने नदी में खाली हो। लगभग चार घंटे की मशक्कत करने के बाद भी जब होल मैं युवक का कुछ भी पता नहीं चल रहा था, तभी कुछ गोताखोर नगर सैनिक की टीम नदी में आगे की ओर युवक की तलाश के लिए निकले। नगर सैनिकों को अंदाजा हो गया था कि होल मैं युवक नहीं है, ऐसे में शव बहकर आगे नदी में गया होगा।

नगर सैनिक नदी में शव को खोज रहे थे, तब एनीकट से 200 मीटर दूर युवक का शव नदी के किनारे तैरता हुआ मिला। इसके बाद युवक के शव को नदी से बाहर निकाला गया। परिजनों और युवक को देखने आए सभी लोगों की भीड़ घटनास्थल पर लग गई। परिजनों की उपस्थिति में शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए पुलिस के द्वारा भेजा गया। पुलिस विभाग के द्वारा आमजन से अपील की गई है कि आमजन बरसात के मौसम में नदियों से दूरी बनाकर रखें, नदी की धार में ना उतरे।

विदित है कि ग्राम गिरहोला नैनी नदी पर शनिवार की दोपहर तीन बजे पंकज उर्फ राजा जैन पिता अशोक जैन उम्र 14 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 12 मेन रोड चारामा और उसके साथ मुरली कोसरिया पिता काशी कोसरिया 14 वर्ष के दोनों बालक मछली पकड़ने के लिए नदी में उतरे थे, जहां नदी की तेज धार में दोनों फंस गए। जिन्हें आसपास उपस्थित लोगों के द्वारा देखा गया। इनके चिल्लाने पर पास में खड़ा राजू सोनकर इन्हें बचाने के लिए नदी में कूद गया।

मछुआ नीति को केबिनेट की अगली बैठक में दी जाएगी मंजूरी:मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

रायपुर, 10 जुलाई 2022। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि प्रदेश की मछुआ नीति को केबिनेट की अगली बैठक में मंजूरी दी जाएगी। मछुआ नीति का प्रारूप तैयार कर लिया गया है। मुख्यमंत्री ने आज राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित छत्तीसगढ़ निषाद केंवट समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में यह घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि समाज के लोगों के हित में राज्य सरकार द्वारा नीति बनाई जाती है, लेकिन इसका अधिक से अधिक लोगों को लाभ दिलाने का दायित्व समाज का है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में मछलीपालन को कृषि का दर्जा दिया गया है। इस नीति के तहत मछलीपालन करने वाले लोगों को किसानों के जैसे बिना ब्याज का ऋण तथा बिजली शुल्क में छूट दी जा रही है। इन प्रावधानों का लाभ उठाने के लिए समाज के लोगों को अधिक से अधिक संख्या में सामने आना चाहिए। उन्होंने संसदीय सचिव एवं निषाद केंवट समाज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री कुंवर सिंह निषाद के आग्रह पर निषाद केंवट समाज के भवन निर्माण के लिए एक करोड़ रूपए की राशि की स्वीकृति की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने समारोह में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई और नई जिम्मेदारी मिलने पर पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में कृषि एवं जल संसाधन मंत्री श्री

रविन्द्र चौबे, खाद्य एवं संस्कृति मंत्री श्री अमरजीत भगत, संसदीय सचिव श्री कुंवर सिंह निषाद और सुश्री शकुंतला साहू, छत्तीसगढ़ राज्य मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री एम.आर.निषाद, छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्री गिरीश देवांगन भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम, माता जानकी और भक्त गुहाराज निषाद की पूजा-अर्चना की। उन्होंने इस अवसर पर बिलासा देवी केंवट पर ''शौर्य की प्रतिमूर्ति'' तथा इन्दरू केंवट पर ''दण्डकारण्य का गांधी'' शीर्षक से प्रकाशित पुस्तक का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने निषाद केंवट समाज के लोगों से मछलीपालन की नई तकनीक केज और बायो फ्लॉक तकनीक का उपयोग कर मछलीपालन करने की बात कही। उन्होंने कहा कि मछुआ समाज के लोग समिति बनाकर केज और बायो फ्लॉक यूनिट के लिए फायनेंस सुविधा का लाभ उठाएं, इसमें अनुदान भी दिया जाता है। इससे मछलीपालन करने वालों को अधिक आर्थिक लाभ होगा और प्रदेश में मछली का उत्पादन भी बढ़ेगा।

श्री बघेल ने कहा कि राज्य सरकार का यह प्रयास है कि किसानों, दूध डेयरी का व्यवसाय करने वाले, पशुपालन, मछलीपालन करने वाले, वनोपजों का संग्रहण करने वाले लोगों की आय में वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि मछली बीज उत्पादन के मामले में छत्तीसगढ़ आत्मनिर्भर हुआ है। यहां से उत्तरप्रदेश और ओडिशा सहित कई राज्यों को मछली बीज की सप्लाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि जो समाज शिक्षा से नाता जोड़ता है, वही समाज आगे बढ़ता है। मछुआ समाज भी बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाए।

कृषि एवं जल संसाधन मंत्री श्री रविन्द्र चौबे ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़िया अस्मिता को जगाने का काम बखूबी किया गया है। निषाद केंवट समाज को सम्मान दिलाने का काम किया गया है। बिलासपुर एयरपोर्ट का नाम बिलासा देवी केंवट के नाम पर, अर्जुंदा महाविद्यालय का नाम शहीद दुर्वासा निषाद के नाम, कवर्धा के मत्स्य महाविद्यालय का नामकरण पुनाराम निषाद के नाम पर किया गया है। उन्होंने बताया कि नया रायपुर के एक चौक का नामकरण भक्त गुहाराज निषाद के नाम पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल पर मछलीपालन को कृषि का दर्जा दिया गया है। खाद्य एवं संस्कृति मंत्री श्री अमरजीत भगत और संसदीय सचिव श्री कुंवर सिंह निषाद ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। छत्तीसगढ़ मुछआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री एम.आर. निषाद ने स्वागत भाषण देते हुए समाज की विभिन्न मांगों की ओर अतिथियों का ध्यान आकृष्ट किया।

जहर सेवन करने से बुजुर्ग की मौत

पटेवा। थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर में 5 जुलाई को एक बुजुर्ग ने अपने घर पर जहर सेवन कर लिया, जिससे उसकी मौत हो गयी. प्राप्त जानकारी के मुताबिक, मृतक हीरऊ ध्रुव पिता स्व. बसंत उम्र 62 साल ग्राम रामपुर का निवासी था. पुलिस ने मामले की रिपोर्ट पर से मर्ग कायम कर जांच विवेचना में लिया है।

पिता ही निकला मासूम का हत्यारा

बिलासपुर, 10 जुलाई 2022। मासूम शौर्य की हत्या करने वाला कोई और नहीं बल्कि उसका पिता ही निकला. आरोपी पिता को सीपत पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी पिता को लगता था कि मासूम उसका बेटा नहीं है, जिसकी वजह से उसने हत्या को अंजाम दिया.

घटना सीपत थाना क्षेत्र के सेलर गांव का है. जहां रहने वाले मदन सुरजे का चार वर्षीय बेटा शौर्य कल देर शाम खेलने निकला था. देर रात घर नही पहुंचने पर परिजन ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन वे नाकामयाब रहे. इस पर परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी. आज सुबह मासूम की लाश घर के पास ही मिली है, जिसके गले में रस्सी के निशान साफ नजर आ रहे हैं. इसकी वजह से रंजिशवश हत्या की आशंका जताई जा रही थी।

दीवार तोड़कर चोरी: दर्जनों बकरा-बकरी ले गए चोर

बिलासपुर, 10 जुलाई 2022। ग्रामीण अपने परिवार के साथ सो रहे थे। दरमियानी रात अज्ञात चोर ने कोठा का ताला तोड़कर 15 बकरा-बकरी चोरी कर भाग गया। रविवार की सुबह ग्रामीण सोकर उठे। तब कोठा की दीवार टूटी हुई थी। और सभी बकरा-बकरी चोरी हो गई थी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। मामला रतनपुर थाना क्षेत्र का है। पुलिस मामले की विवेचना में जुटी है।

ग्राम पंचायत खैरा के रहने वाले शत्रुहन कुमार श्रीवास रोजी मजदूरी का काम करते हैं। इसके अलावा बकरी पालन भी करते हैं। उन्होंने अपनी शिकायत में पुलिस को बताया कि सात जून की रात नौ बकरा और छह बकरी कोठा में रखे थे। रात आठ

बजे अपने परिवार समेत खाना खाकर सो गए। रात 12 बजे अचानक शत्रुलहन की नींद खुल गई। उन्होंने टहलने के लिए कमरे से बाहर निकले। तब कोठा में सभी बकरा-बकरी सुरक्षित थे। कुछ समय बाद वे अपने कमरे में जाकर फिर सो गए। सुबह चार बजे शत्रुहलन सोकर उठा और बकरी को चारा पानी देने के लिए कोठा के पास गए। तब दीवार टूटी हुई थी। 15 नग बकरा-बकरी चोरी हो गई थी। आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन किसी बकरा-बकरी के बारे में जानकारी नहीं दी। इसके बाद उन्होंने रतनपुर पुलिस को सूचना दी। पुलिस की टीम जांच करने मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने कोठा और आसपास तलाशी ली, लेकिन चोर का कोई सूराग नहीं मिला। इसके बाद पुलिस खाली हाथ लौट गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। बकरा-बकरी की कीमत 90 हजार रुपये बताई जा रही है। पीड़ित किसान का कहना है कि जिस व्यक्ति उसके बारे में जानता है। वैसे लोगों ने ही बकरा-बकरी चोरी की होगी। हालंकी उन्होंने किसी के उपर संदेह व्यक्त नहीं किया है। फिलहाल पुलिस अपने मुखबिरों को खोजबीन करने के लिए लगा दिया है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपित गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सीजी में क्राइम से पहले एक्शन

हथियारों की ऑनलाइन शॉपिंग के खिलाफ कार्रवाई जारी, एयरगन,धारदार हथियार,बटनदार चाकू और हंटर जब्त

कवर्धा, 10 जुलाई 2022। जिला कबीरधाम में गंभीर अपराधों की रोकथाम के लिए डॉ. लाल उमेद सिंह पुलिस अधीक्षक कबीरधाम और मनीषा ठाकुर रावटे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कबीरधाम ने शख्त निर्देश दिए हैं. ऑनलाईन शॉपिंग साईट के माध्यम से मंगाए गए बटनदार, हंटर, एयर पिस्टल जैसे हथियारों का उपयोग कर अपराध घटित करने और अनेक प्रकार के अप्रिय घटना घटित होने की आशंका बनी रहती है. इसलिए सभी हथियारों को जमा कराने के निर्देश दिए हैं. इसके बाद 12 धारदार हथियार को जमा कराए गए हैं।

अपराधों की रोकथान किए जाने ऑनलाईन शॉपिंग साईट कंपनी से जानकारी प्राप्त करने सायबर सेल को निर्देशित किया गया. जिस पर सायबर सेल ने ऑनलाईन शॉपिंग साईट फिल्पकार्ट, स्नैपडील और अमेजन कंपनी से उपरोक्त हथियारों के संबंध में जानकारी प्राप्त कर ऑनलाईन शॉपिंग साईट के माध्यम से मंगाए गए बटनदार, हंटर इत्यादि धारदार चाकूओं, एयर पिस्टल मंगाने वालो के धारको से संपर्क स्थापित कर उक्त धारदार हथियारों को संबंधित थाना और चौकी में जमा कराए जाने आदेषित किया गया. साथ ही सभी थाना और चौकी प्रभारियों को निर्देशित कर जिला कबीरधाम के थाना/चौकी में जमा कराया गया और धारकों को आवश्यक समझाईस देकर चाकू या किसी अन्य प्रकार के धारदार हथियार रखकर घूमते पाए जाने पर वैधानिक कानूनी कार्रवाई किए जाने के संबंध में हिदायत दी गई. वर्तमान में 12 धारदार हथियार, बंटनदार चाकूओं को थाना में जमा कराया गया है.

जिला कबीरधाम में ऑनलाईन साईट के माध्यम से मंगाए गये इस प्रकार के धारदारों के डिलवरी करने वाले ऑनलाईन साईट मर्चेंट कंपनी से सम्बद्ध डिलवरी कंपनी के संचालको की बैठक मनीषा ठाकुर रावटे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कबीरधाम के उपस्थिति में ली. ऑनलाईन शॉपिंग साईट के माध्यम से मंगाई जा रही धारदार हथियारों को डिलवरी करने से पूर्व संबंधित थाना और चौकी को अवगत कराए जाने निर्देशित किया गया है.।

सीजी में डबल मर्डर पर सियासत:

सरकार पर बरसे साय और कौशिक,बोले-'अपराध का गढ़ बन चुका प्रदेश,जिलों के एसपी बदल रहे,हालत जस के तस'

रायपुर, 10 जुलाई 2022। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदेव साय और नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने जशपुर जिले के जामुंडा नवाटोली गांव में घर में घुसकर अज्ञात तीन लोगों द्वारा शराब के लिए महिला पुरुष की गोली मारकर हत्या कर दिए जाने की खबर पर राज्य सरकार पर हमला किया है. विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ जल रहा है और भूपेश बघेल बंसी बजा रहे हैं. अब तो यह स्पष्ट है कि भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अपराध का गढ़ बन चुका है.

साय ने कहा कि लगातार हत्या और बलात्कार की वारदातों के सिलसिले में यह ताजा वारदात साबित कर रही है कि राज्य की कानून व्यवस्था रसातल में पहुंच गई है. अपराधियों में कानून का लेशमात्र भी भय नहीं है. जशपुर रायगढ़ के सीमावर्ती गांव के जंगल में बुजुर्ग महिला, उसके बेटे और नातिन की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी गई. जांजगीर जिले के अकलतरा इलाके में निगरानी बदमाश द्वारा घर में घुसकर अधेड़ महिला से दुष्कर्म के बाद दिल्ली के निर्भया कांड की

तर्ज पर नृशंस हत्या, कोरबा के कुसमुंडा में बेटे द्वारा मां और बहिन की हत्या हो गई.

साय ने कहा कि अब शराब के लिए एक महिला और पुरुष की गोली मारकर हत्या के साथ साथ पूरे प्रदेश में हर रोज हो रही हत्या, लूट, बलात्कार, मारपीट जैसी वारदातों में नशे की भूमिका खास तौर पर सामने आई है.

बोले कौशिक ?

नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने प्रदेश में बढ़ते अपराध पर तंज कसते कहा कि जिलों में एसपी जरूर बदल रहे हैं लेकिन हालत जस के तस है. हर तरह अपराध के वारदातें और अधिक हो रहे हैं, जिसके कारण भय का वातावरण बना हुआ है. उन्होंने कहा कि प्रदेश में ऐसा कोई दिन नहीं है, जब हत्या,लूट की घटनाएं नहीं होती होंगी.

छत्तीसगढ़ शांत प्रदेश था, जब से कांग्रेस की सरकार आई है तब से अशांत प्रदेश हो गया है. जशपुर में एक दंपति की गोली मार कर हत्या कर दी जाती है और कोरबा में बेटे ने ही अपने मां और बहन की हत्या कर देता है. यह सब कुछ प्रदेश में नशे के अवैध कारोबार के कारण ही हो रहा है।

20 फीट ऊपर उड़कर खेत में गिरी कार,यात्री बाल-बाल बचे

बागबाहरा, 10 जुलाई 2022। नगर के मुख्य मार्ग पिथौरा से बागबाहरा रोड पर जंघोरा नाला के पास कार अनियंत्रित होकर लंबी उछाल मार कर लगभग 20 फीट ऊपर से खेत में जा गिरी. इस हादसे में कार सवार बाल-बाल बचे. सभी को हल्की चोटें आई है. इसका वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा.

कार में 4 से 5 बच्चे सवार थे, ग्राम जंघोरा निवासी अजंली 25 वर्ष, हेमलता 18 वर्ष, वर्षा 19 वर्ष, ओमप्रकाश 22 वर्ष, तेज बाई 25 वर्ष कार में सवार थे. बताया जा रहा सभी लोग जंघोरा से पिथौरा आ रहे थे. इस हादसे सभी को हल्की चोटें आई है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिथौरा में भर्ती कराया गया. सभी का इलाज कर छुट्टी दे दी गई।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)